सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

इंग्लैंड बनाम भारत : डेयू मैच में शून्य पर आउट हुए सुदर्शन, लंच तक भारत के 2 विकेट गिरे -पेज: 7

मैं खुद को एक ग्लोबल एंटरटेनर के रूप में स्थापित करना चाहती हूं -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 73 | शनिवार 21 जून 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 4 रुपए

विपक्ष को लिया आड़े हाथ कहा, जंगलराज लाने वाले लोग एक बार फिर मौके की तलाश में : पीएम मोदी

बिहार विधानसभा चुनाव में अब सिर्फ चार महीने बचे हैं, और इसी के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एक बार फिर राज्य का दौरा किया।

बिहार (एजेंसी): बिहार विधानसभा चुनाव में अब सिर्फ चार महीने बचे हैं, और इसी के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एक बार फिर राज्य का दौरा किया। उन्होंने सीवान में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए बिहार की धरती की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, सीवान की धरती केवल ऐतिहासिक नहीं, बल्कि संविधान को मजबूती देने वाली और स्वतंत्रता संग्राम की अहम गवाह रही है। उन्होंने आगे कहा कि बिहार आज हर क्षेत्र में तेजी से तरक्की कर रहा है। पीएम मोदी ने अपने हालिया विदेश दौरे का ज़िक्र करते हुए कहा, मैं कल ही विदेश यात्रा से लौटा हूं और वहां कई विकसित देशों के नेताओं से बातचीत हुई। वे सभी भारत की रफ्तार से प्रभावित हैं। दुनिया भारत को तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक शक्ति के रूप में देख रही है। इस बदलाव में बिहार की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होने वाली है। एनडीए आई तो आया बदलाव : पीएम मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि जंगलराज लाने वाले लोग एक बार फिर मौके की तलाश में हैं और तरह-तरह के तरीके अपना रहे हैं। उन्होंने बिहार की जनता से अपील करते हुए कहा कि मेरे प्यारे भाइयों और बहनों, अपने और अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए आपको सतर्क रहना होगा। प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि जिस बिहार ने सदियों तक देश को नेतृत्व दिया, उसी बिहार को पंजा और लालटेन वालों ने पलायन की धरती बना दिया था। उन्होंने राज्य के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि हर चुनाव में ये लोग आते थे और कहते थे गरीबी हटाओ, लेकिन गरीबी हटाने की जगह गरीबी और बढ़ती गई। पीएम मोदी ने कहा कि जब से जनता ने एनडीए को सत्ता सौंपी है, तब से बदलाव देखने को मिल रहा है। आज देश के 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं, और यह पूरे विश्व में सराहा जा रहा है। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री हेलीकॉप्टर से सीवान के जसौली गांव पहुंचे। वहां से वह खुले वाहन में रोड शो करते हुए सभा स्थल तक पहुंचे। उनके साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी मौजूद थे। पीएम मोदी ने दी पक्के मकानों की सौगात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने बिहार दौरे के दौरान राज्यवासियों को कुल 5736 करोड़ रुपये की 22 बड़ी विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत 53,666 लाभार्थियों को पहली किस्त के रूप में सीधे उनके बैंक खातों में 536 करोड़ रुपये की राशि ट्रांसफर की। इसके साथ ही 6684 शहरी गरीब परिवारों को पक्के घरों की चाबियां भी सौंपी गईं, जिससे उनका सपना अब साकार हो रहा है। प्रधानमंत्री ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 11 नई परियोजनाओं की आधारशिला रखी, जबकि नमामि गंगे मिशन के अंतर्गत 4 परियोजनाओं का भी शिलान्यास किया गया। इन योजनाओं पर कुल 2997 करोड़ रुपये का खर्च प्रस्तावित है। बिहार को पीएम मोदी का तोहफा- पीएम आवास के 6,684 लाभार्थियों को घर की चाबी।

अनिल विज ने राहुल गांधी को क्यों कहा कि कांग्रेसियों को ले जाएं पाकिस्तान?

अंबाला : ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राहुल गांधी के बयान को पकिस्तान मीडिया खूब चला रहा है। जिस पर अनिल विज ने राहुल गांधी को पाकिस्तान का प्रवक्ता बता दिया। उन्होंने कहा पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री ने मान लिया है कि भारत ने उनके बेस कैंप को नुकसान पहुंचाया है। विज ने चुटकी लेते हुए कहा कि राहुल गांधी बोल रहे हैं कि हिंदुस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से कुछ नहीं किया, राहुल गांधी कांग्रेसियों को बस में भरकर पाकिस्तान ले जाएं और दिखाकर लाएं कि कैसे हिंदुस्तान ने पाकिस्तान का एयरबेस तबाह किया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पाकिस्तान के प्रवक्ता बन गए हैं। बता दें कि हरियाणा रोडवेज के ड्राइवर नियम तोड़ते नजर आते हैं, सड़क पर डिवाइडर पार करते हैं। जिस पर विज ने कहा कि ड्राइवर रोज लोगों को उनके घर तक पहुंचाते हैं बहुत बड़ा काम करते हैं। विज ने कहा कि वे सोच रहे हैं कि बड़ी बड़ी कंपनियों को बुलाकर ट्रैफिक नियमों को लेकर इन्हें रिफ्रेशर कोर्स करवाएंगे।

उद्धव ठाकरे के किस बयान पर बोले देवेंद्र फडणवीस 'मैं बोल बच्चन को जवाब नहीं देता'

महाराष्ट्र (एजेंसी): महाराष्ट्र की राजनीति में बयानबाजी का सिलसिला लगातार जारी है। गुरुवार को शिवसेना के स्थापना दिवस पर शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने भाजपा, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे पर तीखा हमला बोला। उद्धव ठाकरे ने फडणवीस को 'नौकर' तक कह दिया और यह आरोप लगाया कि राज ठाकरे की टठर के साथ उनका गठबंधन ना हो इसलिए भाजपा के नेता होटल में बैठकर राज ठाकरे से मिल रहे हैं। इसके बाद शुक्रवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे के बयान पर पलटवार करते हुए उन्हें 'बोल बच्चन' करार दिया। उद्धव ठाकरे का बयानः शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अपने संबोधन में कहा था कि मराठी समाज को एकजुट नहीं होने देने के लिए भाजपा के लोग सेठों के नौकर बनकर होटल में मुलाकात कर रहे हैं। उद्धव ठाकरे ने भाजपा और शिवसेना को खुली चुनौती दी थी। उन्होंने कहा था- "मैं गद्दारों को कहता हूं- कम ऑन किल मी। पर एम्बुलेंस लेकर आना। आओगे तो सही सलामत, पर जाओगे एम्बुलेंस में।" इस बयान पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जलगांव में मीडिया से बातचीत में कहा, "मैं बोल बच्चन को जवाब नहीं देता।" जब पत्रकारों ने उद्धव के आरोपों के बारे में दोबारा सवाल किया, तो फडणवीस ने एक बार फिर यही कहा, "मैं बोल बच्चन को जवाब नहीं देता।" हालांकि, कुछ दिनों से यह चर्चा थी कि महाराष्ट्र में आगामी निकाय चुनावों के लिए उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे की टठर के बीच गठबंधन हो सकता है। उद्धव ठाकरे की चुनौती पर एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को जवाब दिया था। शिंदे ने कहा, "मरे हुए को क्या मारना है? विधानसभा चुनाव में जनता ने आपको 'मुर्दा' बना दिया।" आगे उन्होंने कहा, "आप कहते हैं कि मारने आओ तो एम्बुलेंस लेकर आना, लेकिन ये ध्यान रखना चाहिए कि शोर करने से ताकत नहीं आती। शेर की खाल ओढ़कर गीदड़ शेर नहीं बन सकता, उसके लिए असली शेर का दिल और ताकत चाहिए।"

अंग्रेजी शर्म नहीं, शक्ति है, राहुल गांधी ने अमित शाह के बयान पर किया पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नहीं चाहते कि भारत का गरीब बच्चा अंग्रेजी सीखे, क्योंकि वो नहीं चाहते कि लोग सवाल पूछें, आगे बढ़ें, बराबरी करें। उन्होंने यह भी कहा कि अंग्रेजी शर्म नहीं, शक्ति है। अंग्रेजी बांध नहीं, पुल है- राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह टिप्पणी गृह मंत्री अमित शाह के एक कथित बयान के एक दिन बाद की। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, अंग्रेजी बांध नहीं, पुल है। अंग्रेजी शर्म नहीं, शक्ति है। अंग्रेजी जंजीर नहीं - जंजीरें तोड़ने का औजार है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा-आरएसएस नहीं चाहते कि भारत का गरीब बच्चा अंग्रेजी सीखे, क्योंकि वो नहीं चाहते कि लोग सवाल पूछें, आगे बढ़ें, बराबरी करें। राहुल गांधी ने कहा, आज की दुनिया में, अंग्रेजी उतनी ही जरूरी है, जितनी आपकी मातृभाषा, क्योंकि यही रोजगार दिलाएगी, आत्मविश्वास बढ़ाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, भारत की हर भाषा में आत्मा है, संस्कृति है, ज्ञान है। हमें उन्हें संजोना है और साथ ही हर बच्चे को अंग्रेजी सिखानी है। यही रास्ता है एक ऐसे भारत का, जो दुनिया से मुकाबला करे, जो हर बच्चे को बराबरी का मौका दे।अमित शाह ने क्या कहा था? बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय भाषाओं के महत्त्व को रेखांकित करते हुए कहा था है कि जल्द ही ऐसा समाज बनेगा जहां अंग्रेजी बोलने वाले लोगों को शर्मिंदगी महसूस होगी। उन्होंने आगे कहा था कि, हमारी भाषाएं हमारी संस्कृति के रत्न हैं। इनके बिना हम सच्चे भारतीय नहीं बन सकते। जल्द ही अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म महसूस होगी। ऐसा समाज बनने में अब ज्यादा समय नहीं है। उन्होंने भारतीय भाषाओं को राष्ट्र की आत्मा बताया और इनके संरक्षण और संवर्धन की जरूरत पर जोर दिया। यह बयान उन्होंने पूर्व आईएएस अधिकारी आशुतोष अग्निहोत्री की पुस्तक मैं बूंद स्वयं, खुद सागर हूं के विमोचन समारोह में दिया।

पीएम मोदी के नेतृत्व में आजमगढ़ विकास की मुख्यधारा से जुड़ गया: सीएम योगी

आजमगढ़ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले लोग आजमगढ़ और उत्तर प्रदेश का नाम लेने से डरते थे और यहां का निवासी पहचान के संकट से जूझता था लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अब आजमगढ़ विकास की मुख्यधारा से जुड़ गया है। योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के अवसर पर कहा,उत्तर प्रदेश एक 'बीमारू' राज्य से एक्सप्रेसवे राज्य के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। याद करने की कोशिश करें कि आठ साल पहले क्या हालात थे। लोग आजमगढ़ और उत्तर प्रदेश का नाम लेने से डरते थे। आजमगढ़ पहचान का मोहताज नहीं रहा'योगी आदित्यनाथ ने कहा, आजमगढ़ ने दो मुख्यमंत्री दिए हैं लेकिन यह आजमगढ़ पहचान का मोहताज था पर आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आठ साल की अवधि में, आजमगढ़ पहचान का मोहताज नहीं रहा। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ अब अदम्य साहस का गढ़ बन गया है। अब यह विकास की मुख्यधारा से जुड़ गया है।" गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे 91. 352 किलोमीटर लंबा है और 7,283 करोड़ रुपये की लागत से बना है। 'यूपी अब आत्मविश्वास और गौरव की नई उड़ान भर रहा' इसके उद्घाटन से पहले योगी आदित्यनाथ ने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 91.35 किलोमीटर लंबे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का उद्घाटन पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। कहा, प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अब देश के सबसे बड़े एक्सप्रेसवे नेटवर्क के साथ विकास, आत्म विश्वास और गौरव की नई उड़ान भर रहा है। गोरखपुर को आजमगढ़ सहित कई जिलों से जोड़ने वाला गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पूर्वी उत्तर प्रदेश में औद्योगिक प्रगति, पर्यटन विकास और निवेश के नए रास्ते खोलेगा।"

दुनियाभर में किया जाता है पीएम मोदी का सम्मान, ब्राजील के राजदूत बोले- भारत के प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स को किया सशक्त

भारत में ब्राजील के राजदूत केनेथ फेलिक्स हैकिंस्की दा नोब्रेगा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिक्स के नेतृत्व को मजबूत किया है। दुनियाभर में पीएम मोदी का सम्मान किया जाता है। उन्होंने बताया कि किस तरह ब्रिक्स के भीतर प्रधानमंत्री मोदी का प्रभाव बढ़ता जा रहा है।

नई दिल्ली (एजेंसी): भारत में ब्राजील के राजदूत केनेथ फेलिक्स हैकिंस्की दा नोब्रेगा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिक्स के नेतृत्व को मजबूत किया है। दुनियाभर में पीएम मोदी का सम्मान किया जाता है। दुनियाभर में किया जाता है पीएम मोदी का सम्मान उन्होंने बताया कि किस तरह ब्रिक्स के भीतर प्रधानमंत्री मोदी का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। विशेष साक्षात्कार में ब्राजील के राजदूत ने ब्रिक्स के संदर्भ में, प्रधानमंत्री मोदी की भूमिका को लेकर कहा, हम ब्रिक्स की चचाओं में पीएम मोदी के योगदान को अत्यंत मूल्यवान मानते हैं। पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचार साझा किए केनेथ ने रियो डी जेनेरियो में अगले महीने होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले अपने देश की प्राथमिकताओं के बारे में बताया। उन्होंने पश्चिम एशिया की स्थिति, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधारों के लिए प्रयासों को लेकर भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि ब्राजील की अध्यक्षता में ब्रिक्स सम्मेलन में वैश्विक शासन में सुधार, जलवायु परिवर्तन फंडिंग, वैश्विक स्वास्थ्य, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, अर्थव्यवस्था और वित्त सहित छह क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जारी उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जारी है, इसमें कोई संदेह नहीं है।उन्होंने कहा कि हाल ही में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल की ब्राजील यात्रा काफी हद तक सफल रही। ब्राजील के उपराष्ट्रपति के साथ बैठक में आतंकवाद के संबंध में भारत की सभी चिंताओं को लेकर एकजुटता जताई गई। ब्राजील ने सार्वजनिक रूप से पहलगाम हमले की निंदा की राष्ट्रपति लूला ने भी प्रधानमंत्री मोदी को व्यक्तिगत रूप से फोन करके संवेदना जताई। ब्राजील ने सार्वजनिक रूप से पहलगाम हमले की निंदा की। आइबीएसए को लेकर उन्होंने कहा कि इस समूह में ग्लोबल साउथ के तीन बड़े देश भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। जब ऐसे लोकतंत्र आपस में संवाद करते हैं, तो अलग तरह की बातचीत होती है। यही बात उन्हें उन देशों से अलग करती है जिन्होंने विकास के लिए दूसरे रास्ते चुने हैं।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश में ब्लैक बॉक्स को कैसे पहुंचा नुकसान? जानिए अब कैसे रिकवर किया जाएगा डेटा

नई दिल्ली (एजेंसी): 12 जून को अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश में 250 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। फ्लाइट क्रैश होने के करीब 28 घंटे बाद ब्लैक बॉक्स को बरामद किया गया था। लेकिन दुर्घटना में भी ब्लैक बॉक्स को काफी नुकसान पहुंचा है। संभावना जताई जा रही है कि क्रैश के दौरान या गिरने के बाद ब्लैक बॉक्स क्षतिग्रस्त हुआ हो। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्लैक बॉक्स इस वक्त एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इंवेस्टिगेशन ब्यूरो की निगरानी में है और शुरूआती जांच में सामने आया है कि ब्लैक बॉक्स का बाहरी स्ट्रक्चर काफी कॉम्प्रमाइज हो चुका है और अगर इसे सावधानी से हैंडल नहीं किया गया, तो इसमें मौजूद इंटरनल डेटा को नुकसान हो सकता है। अमेरिका भेजा जाएगा ब्लैक बॉक्स? पहले ये जानकारी सामने आई थी कि ब्लैक बॉक्स के डेटा को रिकवर करने के लिए अमेरिका भेजा जा सकता है। इसके बाद सवाल उठने लगे थे कि क्या भारत में डेटा रिकवर नहीं किया जा सकता। बता दें कि ब्लैक बॉक्स में दो यूनिट होती है। एक कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर और दूसरा फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर। अहमदाबाद प्लेन क्रैश में दोनों ही यूनिट क्षतिग्रस्त हुई है, लेकिन इनमें से एक को काफी ज्यादा नुकसान पहुंचा है। ब्लैक बॉक्स के साथ क्या प्रक्रिया अपनाई जाएगी, ये जल्द ही साफ हो जाएगा। अगर भारत में इससे डेटा को रिकवर नहीं किया जा सका, तो इसे अमेरिका के एनटीएसबी, यूनाइटेड किंगडम के सिविल एविएशन अथॉरिटी या सिंगापुर भेजा जा सकता है। बाइनरी फॉर्म में रिकॉर्ड होता है डेटा डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर दोनों में डेटा बाइनरी फॉर्म में स्टोर होता है। इसे लैब में इंजीनियरिंग फॉरमैट में बदला जाता है और फिर एक्सेस किया जाता है। डेटा को एक्सेस करने के बाद रिपोर्ट तैयार की जाती है। लेकिन जांचकताओं को दूसरे स्त्रोत पर भी विचार करना होगा। यूएस नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने बताया कि फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर के डेटा से एक कंप्यूटर एनिमेटेड वीडियो बनाया जा सकता है, जिससे क्रैश के लास्ट मोमेंट को देखना पॉसिबल हो पाता है। ब्लैक बॉक्स के दोनों ही यूनिट क्रैश के कारणों का पता लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। डिजिटल डेस्क, नई दिल्ली। 12 जून को अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश में 250 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। फ्लाइट क्रैश होने के करीब 28 घंटे बाद ब्लैक बॉक्स को बरामद किया गया था। लेकिन दुर्घटना में भी ब्लैक बॉक्स को काफी नुकसान पहुंचा है। संभावना जताई जा रही है कि क्रैश के दौरान या गिरने के बाद ब्लैक बॉक्स क्षतिग्रस्त हुआ हो। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्लैक बॉक्स इस वक्त एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इंवेस्टिगेशन ब्यूरो की निगरानी में है और शुरूआती जांच में सामने आया है कि ब्लैक बॉक्स का बाहरी स्ट्रक्चर काफी कॉम्प्रमाइज हो चुका है और अगर इसे सावधानी से हैंडल नहीं किया गया, तो इसमें मौजूद इंटरनल डेटा को नुकसान हो सकता है। पहले ये जानकारी सामने आई थी कि ब्लैक बॉक्स के डेटा को रिकवर करने के लिए अमेरिका भेजा जा सकता है। इसके बाद सवाल उठने लगे थे कि क्या भारत में डेटा रिकवर नहीं किया जा सकता। बता दें कि ब्लैक बॉक्स में दो यूनिट होती है। एक कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर और दूसरा फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर। अहमदाबाद प्लेन क्रैश में दोनों ही यूनिट क्षतिग्रस्त हुई है, लेकिन इनमें से एक को काफी ज्यादा नुकसान पहुंचा है। ब्लैक बॉक्स के साथ क्या प्रक्रिया अपनाई जाएगी, ये जल्द ही साफ हो जाएगा। अगर भारत में इससे डेटा को रिकवर नहीं किया जा सका, तो इसे अमेरिका के एनटीएसबी, यूनाइटेड किंगडम के सिविल एविएशन अथॉरिटी या सिंगापुर भेजा जा सकता है।

संपादकीय

खामेनेई की खरी-खरी

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप को जो खरी-खरी सुनाई है, ट्रंप उसी के हकदार थे। एक तो ट्रंप इस्त्राइल और ईरान के संघर्ष में जबरदस्ती अपनी नाक घुसा रहे हैं दूसरे वह इस्त्राइल के पक्ष में ऊटपटांग बयान देकर ईरान को धमका और चिढ़ा रहे हैं। किसी भी संप्रभु राष्ट्र का नेता ऐसे हालात में वही करेगा जो खामेनेई ने किया है। उन्होंने आत्मसमर्पण करने की ट्रंप की नसीहत को खारिज कर दिया और उल्टे चेतावनी दे ड़ाली कि संघर्ष में अमेरिका की किसी भी कूद-फांद से उसे ही अपूरणीय क्षति होगी। हालांकि इस्त्राइल अमेरिका की मदद के बल पर ही सीनाजोर बना हुआ है। ट्रंप ने एक ही दिन पहले ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण करने को कहा था। इससे भी बढ़कर उन्होंने कहा था कि खामेनेई को मारने की फिलहाल कोई योजना नहीं है। ये सब कौन बर्दाश्त करता। तकनीकी रूप से ईरान कितना ही कमजोर हो, लेकिन इस्त्राइल की बेजा हरकतों का मुकाबला तो वह कर ही रहा है। इसी कारण से नेतन्याहू बिलबिला रहे हैं और चाहते हैं कि अमेरिका इस युद्ध में कूद जाए। ट्रंप हैं कि रोज बयान बदलकर ही ईरान को झुका लेना चाहते हैं। ईरान को धमकाने के लिए अमेरिका ने इस क्षेत्र में कुछ और युद्धक विमान भेजे हैं। खामेनेई ने ट्रंप के धमकी भरे और बेतुके बयानों को खारिज करते हुए कहा इस तरह की धमकियां समझदारी नहीं है। सीधे अमेरिकियों को संदेश देते हुए खामेनेई ने चेताया कि अमेरिका की किसी भी सैन्य भागीदारी से क्षेत्र में पूर्ण युद्ध छिड़.जाएगा और उसे ही अपूरणीय क्षति होगी। लगता है इस मामले में अलग थलग पड़े.ईरान के पक्ष में अरब देशों में एकजुटता की सुगबुगाहट होने लगी है। इसी कड़ी में इराक ने क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने के लिए इस्तांबुल में होने वाले इस्लामिक सहयोग संगठन सम्मेलन के दौरान अरब देशों के विदेश मंत्रियों की आपातकालीन बैठक बुलाने का आह्वान किया है। प्रस्तावित बैठक का उद्देश्य तेजी से बदल रहे घटनाक्रमों के मद्देनजर अरब देशों की स्थिति में समन्वय करना और साझा जिम्मेदारी की भावना के साथ मौजूदा चुनौतियों से निपटना है। हालांकि अमेरिका की चालबाजियों को देखते हुए अरब और इस्लामिक देशों की एकजुटता बहुत दूर की कौड़ी है। युद्ध के छठे दिन ईरान और इस्त्राइल के बीच महत्त्वपूर्ण संस्थानों पर हमले का सिलसिला जारी है।

सूक्ति

हम प्रयास के लिए उत्तरदायी हैं, न कि परिणाम के लिए।
- गीता

बुद्धि से विचारकर किए गए कर्म ही सफल होते हैं।
- महाभारत

चिंतन-मनन

खुद में करो भगवान के दर्शन

यज्ञ ज्ञात्वा न पुनर्मोहमेवं यास्यसि पाण्डव।
येन भूतान्यशेषाणि द्रक्षस्यात्मन्यथो मयि।।

अर्थातः हे पांडव! जिस ज्ञान को जानकर फिर तुम मोह में नहीं पड़ोगे, उस ज्ञान से तुम यह जान सकोगे कि जो कुछ भी है वह उसी परमात्मा की वजह से ही है। गुरु, शिष्य को ज्ञान नहीं देता, बल्कि शिष्य की श्रद्धा गुरु से ज्ञान लेती है। उस ज्ञान से साधक का नजरिया बदलने लगता है। उसमें काम, प्रोध, लोभ, मोह जैसी बुराइयां कमजोर पड़ने लगती हैं। ज्ञान बढ़ता जाता है और अज्ञान खत्म होता जाता है। धीरे-धीरे शिष्य की सभी बुराइयां खत्म होने लगती हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि ज्ञान की अग्नि मन में पड़े संस्कारों के बीज भी जला डालती है और मोह आदि विकार भस्म हो जाते हैं। इसलिए आत्मज्ञान हो जाने के बाद इंसान को मोह परेशान नहीं करता, क्योंकि यह मोह ही था, जिसके कारण अर्जुन कौरव सेना से युद्ध नहीं कर रहे थे।

आगे भगवान कहते हैं कि इस आत्मज्ञान को पाकर पहले तुम अपने में सभी पुराने कर्मों को देखोगे और फिर उनको मुझ में देखोगे। यानी ज्ञान हो जाने के बाद साधक को पहले भगवान अपने भीतर दिखता है, फिर वही भगवान सब जगह दिखाई पड़ने लगता है। वरना हम मूर्ति में तो भगवान को देख लेते हैं, लेकिन अपने भीतर नहीं देख पाते, जबकि प्रक्रिया इससे उलट है। पहले अपने में भगवान का दर्शन करो, फिर सब में उसी को ही देखो।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

इजराईल - ईरान युद्ध में भारत निभा सकता है अहम भूमिका

प्रहलाद सबनानी

रूस - यूक्रेन एवं इजराईल - हम्मास के बीच युद्ध अभी समाप्त भी नहीं हुआ है और तीसरे मोर्चे इजराईल - ईरान के बीच भी युद्ध प्रारम्भ हो गया है। हालांकि इस बीच भारत - पाकिस्तान के बीच भी युद्ध छिड़ गया था परंतु भारत की बड़े भाई की भूमिका के चलते इस युद्ध को शीघ्रता से समाप्त करने में सफलता मिल गई थी। दो देशों के बीच युद्ध में किसी एक देश का फायदा नहीं होकर बल्कि दोनों ही देशों का नुक्सान ही होता है। परंतु, आवेश में आकर कई बार दो बड़े देश भी आपस में टकरा जाते हैं एवं इन दोनों देशों के पक्ष एवं विपक्ष में कुछ देश खड़े हो जाते हैं जिससे कुछ इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित हो जाती हैं कि विश्व युद्ध छिड़ जाते हैं। वर्ष 1914 से वर्ष 1918 के बीच प्रथम विश्व युद्ध एवं वर्ष 1939 से वर्ष 1945 के बीच द्वितीय विश्व युद्ध इसके उदाहरण हैं। इजराईल - ईरान के बीच हाल ही में प्रारम्भ हुए युद्ध में अमेरिका भी कूदने की तैयारी करता हुआ दिखाई दे रहा है। अगर ऐसा होता है तो बहुत सम्भव है कि ईरान की सहायता के लिए रूस एवं चीन भी इस युद्ध में कूद पड़ें एवं यह युद्ध तृतीय विश्व युद्ध का स्वरूप ले ले। ऐसा कहा जा रहा है कि इजराईल एवं अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन करवाना चाह रहे हैं ताकि ईरान में उनके हितों को साधने वाली सरकार स्थापित हो सके।

वैश्विक स्तर पर आज परिस्थितियां बहुत सहज रूप से नहीं चल रही है। विभिन्न देशों के बीच विश्वास की कमी हो गई है जिसके चलते छोटे छोटे मुद्दों को तूल दी जाकर आपस में खटास पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। कुछ देश, दो देशों के बीच, इन मुद्दों को हवा देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। जैसे आतंकवाद के मुद्दे को ही लें, यदि ये देश आतंकवाद से स्वयं ग्रसित हैं तो इनके लिए आतंकवाद बुराई की जड़ है और यदि कोई अन्य देश आतंकवाद को लम्बे समय से झेल रहा है तो इन देशों के लिए आतंकवाद कोई बहुत बड़ा मुद्दा नहीं है। बल्कि, आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों को प्रोत्साहन दिया जाता हुआ दिखाई दे रहा है। चौधरी बन रहे कुछ देश अपनी विस्तरवादी नीतियों के चलते कई देशों में अपने हित साधने वाली सरकारों की स्थापना करना चाह रहे हैं एवं इन देशों में इस प्रकार की परिस्थितियां निर्मित करने के प्रयास कर रहे हैं ताकि ये देश आपस में लड़ाई प्रारम्भ करें। रूस एवं यूक्रेन के बीच युद्ध इसका जीता जागता उदाहरण है । साथ ही, कुछ देशों की कथनी और करनी में पाए जाने वाले फर्क के चलते भी वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां बिगड़ रही हैं। चौधरी बन रहे देशों को तो उदाहरण पेश करते हुए अपनी कथनी एवं करनी में फर्क को समाप्त करना ही होगा। अन्यथा, वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां भयावह स्तर तक पहुंच सकती हैं।

चूंकि इजराईल भी आतंकवाद से पीड़ित देश है एवं इजराईल की सीमाएं चार मुस्लिम राष्ट्रों से जुड़ी हुई हैं; यथा, उत्तर में लेबनान, दक्षिण पश्चिम में ईजिप्ट (एवं गाजा), पूर्व में जॉर्डन (एवं वेस्ट बैंक) एवं उत्तर पूर्व में सीरिया। अतः इजराईल अत्यधिक आक्रात्मकता के साथ आतंकवादियों (हम्मास एवं हूथी आदि संगठनों) से युद्ध करता रहता है। इस्लाम के अनुयायी यहूदियों के कट्टर दुश्मन हैं, इसके चलते भी इजराईल के नागरिकों को आतंकवाद को लम्बे समय से झेलना पड़ रहा है।

ईरान के बारे में तो कहा जा रहा है कि ईरान स्थित लगभग 60 प्रतिशत मस्जिदों में इबादत के लिए कोई भी व्यक्ति पहुंच ही नहीं रहा है क्योंकि ईरान में एवं ईरान द्वारा पड़ौसी देशों में फैलाए गए आतंकवाद से ईरान के मूल नागरिक अत्यधिक परेशान हैं। महिलाओं पर आतंकवादियों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों से स्थानीय नागरिक बहुत दुखी हैं। अतः अब वे अपने पुराने धर्म जोरोस्ट्रीयन को अपनाने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं अथवा इस्लाम धर्म का परित्याग करना चाह रहे हैं। जोरोस्ट्रीयन, ईरान का मूल धर्म हैं एवं यह अब ईरान के कुछ (बहुत कम) क्षेत्रों में सिमट कर रह गया है। भारत में भी जोरोस्ट्रीयन धर्म को मानने वाले पारसी समुदाय के कुछ नागरिक शांतिपूर्वक रह रहे हैं एवं भारत के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर निर्मित हो रही उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत की विशेष भूमिका रह सकती है क्योंकि भारत के इजराईल एवं ईरान दोनों ही देशों के साथ आर्थिक रिश्ते बहुत मजबूत हैं। भारत, ईरान से भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीदता रहा है एवं भारत ने ईरान में चाबहार बंदरगाह के निर्माण में भारी आर्थिक एवं तकनीकी सहायता प्रदान की है। चाबहार बंदरगाह का संचालन भी ईरान की सरकार के साथ भारतीय इंजीनियरों द्वारा ही किया जा रहा है। भारत और ईरान के बीच प्रतिवर्ष 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है। दूसरी ओर, इजराईल भारत का रणनीतिक साझीदार है। भारत इजराईल से भारी मात्रा में सुरक्षा उपकरण भी खरीदता है। भारत और इजराईल के बीच प्रतिवर्ष 650 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का विदेशी व्यापार होता है, इसमें भारत द्वारा इजराईल से आयात किये जाने वाले सुरक्षा उपकरणों की राशि शामिल नहीं है। कुल मिलाकर, भारत के इजराईल एवं ईरान, दोनों देशों के साथ बहुत पुराने व्यापारिक एवं सांस्कृतिक रिश्ते हैं।

भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में ह्लवसुधैव कुटुम्बकमह्व; ह्लसर्वजन हिताय सर्वजन सुखायह्व एवं ह्लसर्वे भवंतु सुखिनःह्व की भावना पर विश्वास किया जाता है। अतः भारतीय नागरिक सामान्यतः शांत स्वभाव के होते है एवं पूरे विश्व में ही भ्रातत्व के भाव का संचार करते हैं। आज 4 करोड़ से अधिक भारतीय मूल के नागरिक विभिन्न देशों के आर्थिक विकास में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं। इन देशों में होने वाले अपराधों में भारतीय मूल के नागरिकों की संलिप्तता लगभग नहीं के बराबर पाई गई है। इसी कारण के चलते आज वियतनाम, जापान, इजराईल, आस्ट्रेलिया एवं सिंगापुर जैसे कई देश भारतीय मूल के नागरिकों को अपने देश में कार्य करने एवं बसाने में सहायता करते हुए दिखाई दे रहे हैं। खाड़ी के देश यथा ओमान, बहरीन, सऊदी अरब, यूनाइटेड अरब अमीरात आदि में भी लाखों की संख्या में भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं एवं शांतिप्रिय जीवन व्यतीत कर रहे हैं। कुल मिलाकर, विभिन्न देशों में निवासरत भारतीय मूल के नागरिकों का रिकार्ड बहुत ही संतोषजनक पाया जाता है, क्योंकि, भारतीयों की मूल प्रकृति ही सनातन हिंदू संस्कारों के अनुरूप पाई जाती है एवं वे किसी भी प्रकार के कर्म में धर्म को जोड़कर ही इसे सम्पन्न करने का प्रयास करते हैं। और, धर्म के अनुरूप किये गए किसी भी कार्य से किसी का अहित हो ही नहीं सकता।

उक्त वर्णित परिप्रेक्ष्य में वैश्विक स्तर पर जब चौधरी बन रहे देशों द्वारा अन्य देशों के साथ न्याय नहीं किया जाता हुआ दिखाई दे रहा है तो ऐसे में भारत को आगे आकर युद्ध में झौंके जा रहे देशों के नागरिकों की मदद करनी चाहिए। भारत की तो वैसे भी नीति ही ह्लवसुधैव कुटुम्बकमह्व की है। यदि पूरे विश्व में भाईचारा फैलाना है तो सनातन हिंदू संस्कृति के अनुपालन से ही यह सब सम्भव हो सकता है। उक्त परिस्थितियों के बीच सनातन हिंदू संस्कृति की स्वीकार्यता विभिन्न देशों के नागरिकों की बीच तेजी से बढ़ भी रही है क्योंकि कई देश अब आतंकवाद से बहुत अधिक परेशान हो चुके हैं। अतः अब वे किसी तीसरे रास्ते की तलाश में हैं। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच उनके पास अब विकल्प केवल सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को अपनाने का ही बचता है, जिसके प्रति वे लालायित भी हैं। और फिर, आतंकवाद से यदि छुटकारा पाना है तो इससे लड़ते हुए छुटकारा पाने में तो कुछ देशों को कई प्रकार के बलिदान देने पड़ सकते हैं और यदि सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को स्वीकार कर लिया जाता है तो कई देशों के नागरिकों को इस बलिदान से बचाया जा सकता है। अतः विश्व के देशों में सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कारों को तेजी से वहां के स्थानीय नागरिकों के बीच किस प्रकार फैलाया जा सकता है, इस विषय पर विश्व में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से अब गहन चिंतन एवं मनन करने की आवश्यकता है।

मुद्दा : एमएसएमई की बढ़ती चुनौतियां

डॉ. जयंतीलाल भंड़ारी

इन दिनों भारत के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से संबंधित विभिन्न रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत में एमएसएमई की चुनौतियों के बीच मौके भी उभरकर दिखाई दे रहे हैं। हाल ही में वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार एमएसएमई की चुनौतियों को दूर करने की डगर पर रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ रही है। सरकार एमएसएमई से निर्यात बढ़ाने के लिए एक नई स्कीम लाने पर विचार कर रही है। खासतौर से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप से टैरिफ की चुनौती के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले एमएसएमई की अमेरिकी बाजार पर निर्भर अधिकांश निर्यातक इकाइयां अमेरिकी खरीदारों द्वारा छूट की नई मांग और अनुबंधों पर नये सिरे से बातचीत के अलावा भुगतान में देरी जैसी चुनौतियों के मद्देनजर एमएसएमई के बचाव के लिए सरकार का रणनीतिक सहयोग जरूरी माना जा रहा हैं। हाल ही में प्रकाशित सिडबी की रिपोर्ट के मुताबिक अभी एमएसएमई के लिए सरल कर्ज की प्राप्ति एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। एमएसएमई की क्रेडिट मांग व पूर्ति में 30 लाख करोड़ रुपये का अंतर है। मांग के मुताबिक लोन मिलने पर एमएसएमई के तहत 5 करोड नये रोजगार के अवसर निर्मित होंगे। नीति आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि छोटे उद्योगों को जरूरत के मुताबिक क्रेडिट, तकनीकी कौशल तथा विकास एवं अनुसंधान के क्षेत्र में मदद मिल जाए तो एमएसएमई रोजगार और आर्थिक विकास का बड़ा साधन बन सकते हैं। इस परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस पर अपने संबोधन में कहा कि इस समय नये व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के पास चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढ़ने के ऐतिहासिक अवसर भी हैं और ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। गौरतलब है कि एमएसएमई मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर इस साल मार्च तक पंजीकृत 6.2 करोड़ एमएसएमई 25.95 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई का योगदान करीब 30 फीसद है। एमएसएमई से वर्ष 2024-25 में करीब 12.39 लाख करोड़ रुपये का निर्यात किया गया है। देश से निर्यात किए गए कुल उत्पादों में से करीब 46 फीसद उत्पाद एमएसएमई क्षेत्र से हैं। ऐसे में भारत ने हाल ही इंग्लैंड के साथ खे ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) किया है और अमेरिका के अलावा अन्य कई प्रमुख देशों के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के पूर्ण होने पर एमएसएमई की भूमिका महत्त्वपूर्ण होगी। अतएव नये अवसरों का लाभ उठाने के लिए एमएसएमई को प्रोत्साहन देकर मजबूत बनाना जरूरी है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उस झटके से एमएसएमई के उबारने के लिए जहां एक ओर सरकार के द्वारा एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा, वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा। निश्चित रूप से निर्यातकों को सहारा देने के सरकार के ये कदम सराहनीय हैं, लेकिन ट्रंप के टैरिफ तूफान का मुकाबला करने और निकट भविष्य में निर्मित होने वाले उभरते अवसरों को मुट्ठी में लेने के मद्देनजर एमएसएमई को हरसंभव उपाय से मजबूत बनाना होगा। नये सिरे से एमएसएमई की क्षमताओं को उन्नत करने, संचालन को सुव्यवस्थित करने तथा किसी भी निर्यात झटके से निपटने के लिए एमएसएमई को नीतिगत समर्थन का लाभ दिए जाने के प्रयासों में तेजी लाना होगी। इससे भारत की एमएसएमई उतार-चढ़ाव भरे सफर को आगे बढ़ा सकेगी।

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि बड़ी संख्या में युवा पीढ़ी के लोग अब नौकरी की बजाय खुद का उद्योग-व्यवसाय शुरू करने की सोच रहे हैं। ऐसे में एमएसएमई उनके लिए महत्त्वपूर्ण विकल्प है। जरूरी है कि देश के कोने-कोने में, प्रदेशों और जिला स्तर पर एमएसएमई कानक्लेव आयोजित किए जाएं और ऐसे मंच पर एमएसएमई से जुड़े कारोबारी, उद्योग विशेषज्ञ और नीति बनाने वाले लोग एकत्रित होकर एमएसएमई के नये दौर के लिए नई पीढ़ी का जन जागरण करें। नई पीढ़ी को एमएसएमई के उत्पादों और सेवाओं से परिचित कराएं। नये ग्राहकों से मिलाएं और एमएसएमई को आगे बढ़ाने के नये तरीके सिखाएं। उम्मीद करें कि एमएसएमई की बहुआयामी उपयोगिता के मद्देनजर सरकार एमएसएमई के समक्ष दिखाई देने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए तत्परता के साथ रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ेगी। उम्मीद करें कि देश में एमएसएमई से संबद्ध उद्यमी और निर्यातक अधिकतम प्रयासों से कम लागत पर अधिकतम उत्पादन करते हुए देश के छोटे उद्योग-कारोबार को तेजी से आगे बढ़ाएंगे। वर्ष 2028 तक देश को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 तक विकसित देश बनाने में एमएसएमई की भूमिका अहम होगी।

एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्यः योग से वैश्विक संतुलन की ओर

योगः मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड

दुनिया भर के 170 से भी ज्यादा देश प्रतिवर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाते हैं और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखे गए प्रस्ताव के जवाब में 11 दिसंबर 2014 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना की थी और वैश्विक स्तर पर पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया था। इस वर्ष पूरी दुनिया 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' थीम के साथ 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। इस वर्ष भारत में 'योग संगम 2025' के तहत आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में भव्य आयोजन हो रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी के साथ-साथ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और हजारों संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। अनुमान है कि इस आयोजन में 5 लाख से अधिक लोग एक साथ योगाभ्यास करेंगे, जो अपने आप में एक नया रिकॉर्ड होगा।

प्रतिवर्ष यह दिवस मनाने का उद्देश्य योग को एक ऐसे आंदोलन के रूप में बढ़ावा देना है, जो व्यक्ति की तन्यकता को उन्नत करता है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए कल्याण को बढ़ावा देता है। वैसे तो योग को विश्व स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सतत प्रयासों के चलते वर्ष 2015 में अपनाया गया था किंतु भारत में योग का इतिहास सदियों पुराना है। माना जाता रहा है कि पृथ्वी पर सभ्यता की शुरूआत से ही योग किया जा रहा है लेकिन साक्ष्यों की बात करें तो योग करीब पांच हजार वर्ष पुरानी भारतीय परंपरा है। करीब 2700 ईसा पूर्व वैदिक काल में और उसके बाद पतंजलि काल तक योग की मौजूदगी के ऐतिहासिक प्रमाण मिलते हैं। महर्षि पतंजलि ने अभ्यास तथा वैराग्य द्वारा मन की वृत्तियों पर नियंत्रण करने को ही योग बताया था।

हिंदू धर्म शास्त्रों में भी योग का व्यापक उल्लेख मिलता है। विष्णु पुराण में कहा गया है कि जीवात्मा तथा परमात्मा का पूर्णतया मिलन ही अद्वेतानुभूति योग कहलाता है। इसी प्रकार भगवद्गीता बोध में वर्णित है कि दुःख-सुख, पाप-पुण्य, शत्रु-मित्र, शीत-उष्ण आदि द्वंदों से अतीतय मुक्त होकर सर्वत्र समभाव से व्यवहार करना ही योग है। भारत में योग को निरोगी रहने की करीब पांच हजार वर्ष पुरानी मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक पद्धति के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो भारतीयों की जीवनचर्या का अहम हिस्सा है। सही मायनों में योग भारत के पास प्रकृति प्रदत्त ऐसी अमूल्य धरोहर है, जिसका भारत सदियों से शारीरिक और मानसिक लाभ उठाता रहा है, लेकिन कालांतर में इस दुर्लभ धरोहर की अनदेखी का ही नतीजा है कि लोग तरह-तरह की बीमारियों के मकड़जाल में जकड़ते गए। वैसे तो स्वामी विवेकानंद ने भी अपने शिकागो सम्मेलन के भाषण में सम्पूर्ण विश्व को योग का संदेश दिया था लेकिन कुछ वर्षों पूर्व योग गुरु स्वामी रामदेव द्वारा योग विद्या को घर-घर तक पहुंचाने के बाद ही इसका व्यापक प्रचार-प्रसार संभव हो सका और आमजन योग की ओर आकर्षित होते गए। देखते ही देखते कई देशों में लोगों ने इसे अपनाना शुरू किया। साल 2023 में ही लगभग 190 देशों में योग दिवस के तहत 25 करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लिया था।

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। योग न केवल कई गंभीर बीमारियों से छुटकारा दिलाने में मददगार साबित होता है बल्कि मानसिक तनाव को खत्म कर आत्मिक शांति भी प्रदान करता है। दरअसल यह एक ऐसी साधना, ऐसी दवा है, जो बिना किसी लागत के शारीरिक एवं मानसिक बीमारियों का इलाज करने में सक्षम है। यह मस्तिष्क की सक्रियता बढ़ाकर दिनभर शरीर को ऊर्जावान बनाए रखता है। यही कारण है कि अब युवा एरोबिक्स व जिम छोड़कर योग अपनाने लगे हैं। माना गया है कि योग तथा प्राणायाम से जीवनभर दवाओं से भी ठीक न होने मधुमेह रोग का भी इलाज संभव है। यह वजन घटाने में भी सहायक माना गया है। योग की इन्हीं महत्ताओं को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 सितम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा से आह्वान किया था कि दुनियाभर में प्रतिवर्ष योग दिवस मनाया जाए ताकि प्रकृति प्रदत्त भारत की इस अमूल्य पद्धति का लाभ पूरी दुनिया उठा सके। यह भारत के बेहद गर्व भरी उपलब्धि रही कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री के इस प्रस्ताव के महज तीन माह के भीतर 177 देशों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाए जाने के प्रस्ताव पर स्वीकृति की मोहर लगा दी, जिसके उपरांत संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 11 दिसम्बर 2014 को घोषणा कर दी गई कि प्रतिवर्ष 21 जून का दिन दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए 21 जून का ही दिन निर्धारित किए जाने की भी खास वजह रही। दरअसल यह दिन उत्तरी गोलार्ध का पूरे कैलेंडर वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है। इस दिन की तिथि को ग्रीष्म संक्रांति के साथ मेल खाने के लिए बनाया गया था, जो उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है और प्रकाश और स्वास्थ्य का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति के नजरिये से देखें तो ग्रीष्म संक्रांति के बाद सूर्य दक्षिणायन हो जाता है तथा यह समय आध्यात्मिक सिद्धियां प्राप्त करने में लाभकारी माना गया है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी योग के महत्व को स्वीकारने लगा है। इसलिए स्वस्थ जीवन जीने के लिए जरूरी है कि योग को अपनी दिनचर्या का अटूट हिस्सा बनाया जाए। योग केवल एक व्यायाम नहीं है बल्कि यह शरीर और मन के साथ-साथ स्वयं को सशक्त बनाने का एक बेहतरीन तरीका है। यह भारत की उस धरोहर का पुनर्जागरण है, जिसे आज पूरा विश्व अपनाकर अपने तन, मन और आत्मा को संतुलन में ला रहा है। (लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक, दिए दिशा निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में शिक्षा विभाग से संबंधित बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यालयों के समायोजन से संबंधित जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद के जिन विद्यालयों में 0-10 बच्चे हैं उन्हें प्रायोरिटी दी जाए। उन्होंने कहा कि कम बच्चों के विद्यालयों को ऐसे विद्यालय में मर्ज किया जाए जिसकी बेसिक कंडीशन और स्ट्रक्चर ठीक हो और आंगनबाड़ी केंद्र जहां छोटे बच्चे होते हैं उन्हें वरीयता दी। विद्यालयों को मर्ज करते समय इस बात का अवश्य ध्यान दिया जाए कि विद्यालय की दूरी ज्यादा न हो, कोई बड़ा नाला न हो या रेलवे लाइन न हो जिससे बच्चों के जीवन को खतरा हो। उन्होंने सभी खंड शिक्षा अधिकारी एवं सभी सीडीपीओ को निर्देश दिए की सर्वप्रथम ग्राम प्रधानों के साथ अभिभावकों के साथ अलग-अलग और आपस में संयुक्त बैठक अवश्य कर लें और

एक कार्य योजना बना लें। उन्होंने कहा कि शासन के निदेर्शानुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 तथा NCF for Foundational State (2022) के परिप्रेक्ष्य में यह आवश्यक है कि विद्यालयों के बीच सहयोग, समन्वय तथा संसाधनों के साझा उपयोग को बढ़ावा दिया जाए, जिससे कि प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण, समावेशी एवं आनंददायक अधिगम का अनुभव प्राप्त हो सके। जनपद में विद्यालयी शिक्षा व्यवस्था में नवाचार एवं सुधार की अपार संभावनाएँ विद्यमान हैं। जनपद के अनेक परिषदीय विद्यालयों में जहाँ छात्र-छात्राओं का नामांकन अपेक्षाकृत कम है, वहाँ उपलब्ध भौतिक एवं शैक्षणिक संसाधनों-जैसे विद्यालय भवन, कक्षा-कक्ष, ICT उपकरण, विभिन्न शैक्षणिक सामग्री आदि का समुचित और साझा उपयोग कर शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावशाली एवं विद्यार्थी केन्द्रित बनाया जा सकता है। इस प्रकार विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों के समन्वित उपयोग से न केवल शैक्षिक प्रक्रियाओं को समृद्ध किया जा सकता है, अपितु शिक्षक सहभागिता तथा प्रशासनिक कुशलता से विद्यार्थियों की अधिगम उपलब्धियों को भो बढ़ाया जा सकता है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, डायट प्राचार्या सुश्री शाहीन, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ मोनिका, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अपर पुलिस महानिदेशक ने अमरोहा पुलिस की सोशल मीडिया टीम की सराहना की

अमरोहा (सब का सपना):- अपर पुलिस महानिदेशक, बरेली जोन, बरेली रमित शर्मा द्वारा "परवाह" डिजिटल सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत जनपद अमरोहा की सोशल मीडिया सेल टीम द्वारा किए गए रचनात्मक एवं प्रभावी कार्यों की सराहना की गई है। "परवाह" अभियान का उद्देश्य आमजन में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना एवं दुर्घटनाओं में कमी लाना रहा है। इस अभियान के अंतर्गत अमरोहा पुलिस की सोशल मीडिया टीम द्वारा नवाचारयुक्त, भावनात्मक तथा संदेशप्रद पोस्ट, वीडियो व इन्फोग्राफिक्स के माध्यम से जनजागरूकता बढ़ाने का कार्य किया गया। रमित शर्मा ने टीम की सक्रियता, संप्रेषण शैली और

जनसंपर्क कौशल की विशेष प्रशंसा करते हुए भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इसी प्रकार नवाचार एवं प्रतिबद्धता के साथ पुलिस विभाग आमजन के हित में निरंतर कार्य करता रहेगा। वही आगे उन्होंने कहा कि जनपद अमरोहा पुलिस सोशल मीडिया टीम के इस योगदान ने न केवल बरेली जोन बल्कि प्रदेश स्तर पर भी एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

उ.प्र. मा. शिक्षक संघ ने नवागत जिला विद्यालय निरीक्षक का किया जोरदार स्वागत

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में उ.प्र. माध्यमिक शिक्षक संघ का एक प्रतिनिधिमंडल संगठन के प्रदेशीय मंत्री डॉ0 जी0 पी0 सिंह और अन्य पदाधिकारी के नेतृत्व में नवागत जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 प्रवेश कुमार यादव से मिला तथा अमरोहा जिला विद्यालय निरीक्षक के रूप में कार्यभार ग्रहण करने पर बुकें तथा फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। नवागत जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 प्रवेश कुमार यादव ने संगठन के पदाधिकारियों से मुलाकात पर सभी का धन्यवाद दिया। और कहा कि विद्यालयों में बेहतर शिक्षण व्यवस्था मेरी प्राथमिकताओं में है। किसी भी शिक्षक/प्रधानाचार्य का कोई भी

जायज काम नही रुकेगा, सभी का समय से निस्तारण करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। संगठन से भी कहा कि शिक्षण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ बनाने में अपना पूर्ण सहयोग करें। प्रदेशीय मंत्री डॉ0 जी0 पी0 सिंह ने सभी का परिचय कराया तथा साथ ही शिक्षकों/प्रधानाचार्यों की समस्यायों से भी अवगत कराया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य जे0 एस0 हिन्दू इण्टर कॉलेज डॉ0 जी0 पी0 सिंह, सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी अतुल कुमार शर्मा, जिला महामंत्री बालक राम, जिला कोषाध्यक्ष कृष्ण पाल सिंह, जिला उपाध्यक्ष आसिम अब्बासी, जिला उपाध्यक्ष दानिश हबीब खान, जिला उपाध्यक्ष मनोज गौड़, जिला उपाध्यक्ष महिपाल सिंह, महिला उपाध्यक्ष और प्रधानाचार्या शर्मा देवी कन्या इण्टर कॉलेज चारु शर्मा, प्रधानाचार्या रामचंद्र खत्री हाई स्कूल डॉ0 प्रतिभा यादव, प्रधानाचार्या आले अहमद गर्ल्स इण्टर कॉलेज सुहाना मंजूर, प्रधानाचार्य भगवत सरन इण्टर कॉलेज जोया विनोद कुमार, शीश पाल सिंह, एजाज हसन, सतीश कुमार, हीरा लाल, संदीप कुमार, डॉ0 योगेश कुमार आदि पदाधिकारी, शिक्षक और प्रधानाचार्य उपस्थित थे।

सीयूजी नंबर से दूरी बनाती जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. मोनिका

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जिले की बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) डॉ. मोनिका के कार्यकाल में शिक्षा विभाग में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिले हैं, लेकिन हाल ही में एक चर्चा ने लोगों का ध्यान खींचा है। यह चर्चा है उनके सीयूजी नंबर की उपलब्धता और उससे जुड़ी शिकायतों को लेकर, सूत्रों के अनुसार, अभिभावक और अन्य हितधारक यह कहते सुने गए हैं कि डॉ. मोनिका का सीयूजी नंबर अक्सर अनुपलब्ध रहता है या उसका जवाब नहीं मिलता। इस मुद्दे ने जिले के शिक्षा विभाग में एक नई बहस को जन्म दिया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. मोनिका का सीयूजी

नंबर या तो फोन व्यस्त रहता है या कोई जवाब नहीं मिलता। जिससे विभागीय जानकारी पाने में काफी दिक्कत होती है। हालांकि, कुछ लोग यह भी मानते हैं कि डॉ. मोनिका की व्यस्तता और निरीक्षण कार्यों के कारण वे हर समय फोन पर उपलब्ध नहीं रह पातीं। एक अन्य शिक्षक ने उनके बचाव में कहा, "वह जिले के स्कूलों में सुधार लाने के लिए दिन-रात काम कर रही हैं। हर समय फोन उठाना उनके लिए संभव नहीं हो सकता।" इसके अलावा, कुछ का कहना है कि सीयूजी नंबर की अनुपलब्धता का मुद्दा तकनीकी खराबी या नेटवर्क समस्याओं से भी जुड़ा हो सकता है। अमरोहा जिले में शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए डॉ. मोनिका के प्रयास निश्चित रूप से सराहनीय हैं, लेकिन संवाद की कमी उनके कार्यों की चमक को फीका कर सकती है। यदि सीयूजी नंबर की उपलब्धता और संचार की प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाया जाए, तो न केवल उनकी छवि बेहतर होगी, बल्कि शिक्षा विभाग में विश्वास भी बढ़ेगा। यह मुद्दा न केवल अमरोहा, बल्कि अन्य जिलों के लिए भी एक सबक हो सकता है, जहां प्रशासनिक अधिकारियों और जनता के बीच संवाद की कमी समस्याएं पैदा करती है।

नगर पालिका में आवारा कुत्तों का आतंक,राह चलते युवक को काटकर किया घायल

गजरौला (सब का सपना):- नगर पालिका क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक इतना बढ़ गया है कि अब वह राह चलते लोगों को भी नहीं बख्श रहे हैं। लेकिन शासन प्रशासन इस और कोई ध्यान नहीं दे रहा है। ताजा मामला नगर पालिका गजरौला के चौपला ओवर ब्रिज के नीचे का है। शुक्रवार की दोपहर नगर के मोहल्ला सुल्तान नगर निवासी संजीव गुप्ता अपने घर से मार्केट में कोई सामान लाने के लिए बाहर निकले थे। जैसे ही वह चौपला पुल के नीचे पहुंचे तो वहां पर घूम रहे एक आवारा कुत्ते ने उन पर हमला कर दिया और उनके पैर में काटकर उन्हें बुरी तरह से घायल कर दिया। घायल संजीव किसी तरह से गजरौला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा। जहां उन्हें डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार देकर एवं कुत्ते के काटने वाले इंजेक्शन लगाकर घर भेज दिया तथा समय-समय पर कुत्ते काटने के इंजेक्शन लगवाने की सलाह दी।

प्रेमानंद महाराज की वायरल हुई फोटो, संत समाज में आक्रोश; दे डाली ये चेतावनी

मथुरा: वृंदावन के चतु संप्रदाय विरक्त वैष्णव परिषद के तत्वावधान में बृहस्पतिवार को पंचकोसी परिक्रमा मार्ग स्थित गौतम ऋषि आश्रम में संत-महंतों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष महंत सनतकुमार दास महाराज ने की। इसमें प्रेमानंद महाराज की हाल ही में वायरल हुई विवादित फोटो को लेकर चर्चा की गई और संत समाज ने एक स्वर में इसका विरोध किया। संतों ने दी ये चेतावनी संतों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ब्रज की परंपरा और श्रद्धा के विपरीत इस प्रकार की छवि बनाना निंदनीय है। उन्होंने मांग की कि जिसने भी यह फोटो बनाई है, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। परिषद ने केली कुंज आश्रम प्रबंधन और प्रेमानंद महाराज के शिष्य परिकर को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि संबंधित व्यक्ति के खिलाफ पुलिस में मुकदमा दर्ज नहीं कराया गया तो साधु समाज स्वयं मोर्चा संभालेगा। प्रस्तावित न्यास गठन का भी विरोध बैठक में बांके बिहारी मंदिर में प्रस्तावित न्यास गठन का भी विरोध किया गया। परिषद के उपाध्यक्ष महंत मोहिनी बिहारी शरण महाराज ने कहा कि यह न्यास सेवायतों के पारंपरिक अधिकारों का हनन करेगा, जिसे संत समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि इस कदम से मंदिर की व्यवस्थाओं पर बाहरी हस्तक्षेप बढ़ेगा जो भक्तों और सेवायतों दोनों के लिए चिंता का विषय है। बैठक में ये रहे मौजूद इस बैठक में महंत लाड़ली शरण दास महाराज, महंत फूलडोल बिहारी दास महाराज, महंत हेमकांत शरण देवाचार्य, घमंड पीठाधीश्वर वेणु गोपाल दास महाराज, वंशीवट पीठाधीश्वर जयराम दास महाराज सहित कई प्रमुख संत-महंत उपस्थित रहे।

नल पर पानी भरने गई महिला की करंट लगने से मौत

गजरौला (सब का सपना)कविन्द्र सिंहः- नगर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में नल पर पानी भरने गई एक महिला को करंट लग गया जिससे उसकी मौत हो गई। आनन-फानन में महिला को गजरौला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत से परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल है। ज्ञात रहे मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव पखरौला का है, जहां पर शुक्रवार की दोपहर गांव निवासी महिला शमा खातून पत्नी अनवार अली अपने घर पर लगे नल पर हाथ मुंह धोने के लिए पानी भरने गई थी जैसे ही वह नल पर पानी भरने लगी तो अचानक नल में उतरा करंट उस महिला को लग गया,जिससे उसकी हालत गंभीर रूप से बिगड़ गई। आनन फानन में महिला के परिजन उसे उपचार हेतु गजरौला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लेकर आए जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बारे में जानकारी देते हुए परिजनों ने बताया कि उनकी दो बेटियां और चार बेटे हैं। जिन्हें वह छोड़कर गई हैं। आज जुम्मे की नमाज थी इसलिए वह दोपहर में नमाज पढ़ने के लिए हाथ मुंह धोने नल पर गई थी,लेकिन अचानक उनको करंट लग गया जिससे उनकी मौत हो गई। फिलहाल परिजनों द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से महिला के शव को घर वापस ले जाया गया है।उधर महिला की मौत से परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल है।

जिले में चलाया जा रहा, गला घोंटू टीकाकरण अभियानः डॉ आभा दत्त

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में मुख्य पशु चिकित्सा विभाग द्वारा गला घोंटू टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। जहां पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारी और कर्मचारी ग्राम पंचायतों में पहुंचकर पशुओं को गला घोंटू बीमारी से बचाव के लिए टीकाकरण कर रहे हैं। इस दौरान मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आभा दत्त ने बताया कि अमरोहा जिले को 5 लाख पशुओं को गला घोंटू बीमारी का टीकाकरण करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया है कि गला फोटो पशुओं का एक घातक कीटाणु जनित रोग है। जिससे ग्रस्त होने पर पशुओं की मृत्यु हो सकती है। पशुओं का बचाव टीकाकरण के उपचार से बेहतर हो सकता है। अतः पशुपालन विभाग द्वारा जनपद में

गोवंशीय व महिष वंशीय पशुओं को गला घोंटू रोग से बचाव के लिए निशुल्क टीकाकरण कराया जा रहा है। पशुपालक निदेशालय से लगभग चार लाख खुराक वैक्सीन प्राप्त हो गई हैं। तथा उपमुख्य पशु चिकित्सा अधिकारियों व पशु चिकित्सा अधिकारियों द्वारा अपने पर्यवेक्षण में विभिन्न ग्रामों में टीकाकरण कराया जा रहा है। इसी के साथ बाढ़ संभावित ग्राम तथा जनपद में संचालित गौ आश्रय स्थलों में यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। उन्होंने बताया है कि अब तक 1.34100 पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है।

भा.कि.यू. मातृभूमि के राष्ट्रीय अध्यक्ष खचेड़ू सिंह पर ढाई लाख रुपये हड़पने का आरोप

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में भारतीय किसान यूनियन मातृभूमि के राष्ट्रीय अध्यक्ष खचेड़ू सिंह पर उनके रिश्तेदारों शीशपाल सिंह पुत्र ज्ञान सिंह निवासी गजाना थाना देहात द्वारा ढाई लाख रुपये हड़पने का गंभीर आरोप लगा है। इस मामले में पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक (एसपी) को शिकायती पत्र सौंपकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। यह घटना जिले में चर्चा का विषय बन गई है, और स्थानीय लोग इस मामले में निष्पक्ष जांच की उम्मीद कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, थाना देहात क्षेत्र के गांव गजाना में निवासी शीशपाल पुत्र ध्यान सिंह पीड़ित परिवार का आरोप है कि खचेड़ू सिंह ने शीशपाल पर चल रहे जमीनी मुकदमे को खत्म करने के लिए धोखाधड़ी के जरिए ढाई लाख रुपये की राशि हड़प ली। पीड़ित पक्ष ने बताया कि यह राशि एक पारिवारिक लेन-देन के तहत दी गई थी, जिसमें खचेड़ू सिंह ने विश्वास दिलाया था कि वह शीशपाल सिंह के जमीनी मुकदमा खत्म करा देंगे। हालांकि, इसके बाद पीड़ित परिजनों ने जमीनी मुकदमे को खत्म करने के लिए ढाई लाख रुपये खचेड़ू सिंह को दे दिए। परिजनों का आरोप है कि पैसा लेने के बाद ना तो मुकदमा खत्म हुआ और ना ही पैसे वापस किए मिले। जब पीड़ित परिवार ने पैसे मांगे, तो उन्हें कथित तौर पर धमकियां दी गईं। इस मामले ने न केवल पारिवारिक रिश्तों में खटास पैदा की है, बल्कि खचेड़ू सिंह की सार्वजनिक छवि पर भी सवाल उठाए हैं, जो एक किसान नेता के रूप में क्षेत्र में जाना-पहचाना नाम हैं। पीड़ित परिवार ने इस संबंध में अमरोहा के पुलिस अधीक्षक को एक लिखित शिकायत सौंपी है। शिकायती पत्र में उन्होंने पूरे मामले का विवरण देते हुए बताया कि खचेड़ू सिंह ने जानबूझकर धोखाधड़ी की। परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि इस मामले में उन्हें न्याय नहीं मिल रहा है, और स्थानीय स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। उन्होंने पुलिस से अनुरोध किया है कि मामले की गहन जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो, ताकि उन्हें उनका पैसा वापस मिल सके। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह मामला अमरोहा जिले के एक गाँव कूड़ामाफी से जुड़ा है, जहां खचेड़ू सिंह का प्रभावशाली व्यक्तित्व किसानों के बीच काफी लोकप्रिय है। भारतीय किसान यूनियन मातृभूमि के बैनर तले वे लंबे समय से किसानों के हितों के लिए आवाज उठाते रहे हैं। हालांकि, इस घटना ने उनकी छवि को नुकसान पहुंचाया है। यह मामला न केवल अमरोहा जिले में, बल्कि पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। लोग यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि पुलिस जांच में क्या निष्कर्ष निकलता है और क्या पीड़ित परिवार को न्याय मिल पाएगा।

कानपुर डीएम और सीएमओ विवाद: अखिलेश यादव बोले- सच सामने लाने के लिए उच्चस्तरीय जांच की जाए

कानपुर : कानपुर के जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह पर अभद्र टिप्पणी करने और भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के मामले में सीएमओ हरिदत्त नेमी को निलंबित किया जा चुका है। मामले पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल साइट एक्स पर बयान जारी करते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि ईमानदार ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सकता है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, 'कानपुर के डीएम बनाम सीएमओ के बीच की टकराहट का सच सामने लाने के लिए एक उच्चस्तरीय, निष्पक्ष जांच बैठाई जाए।' कानपुर के जिलाधिकारी ने नेमी पर वित्तीय अनियमितता करने, अस्पतालों से वसूली करने के गंभीर आरोप लगाते हुए सीएम को पत्र लिखा था।

जिसको संज्ञान में लेकर कार्रवाई के साथ इनके खिलाफ विजिलेंस जांच भी शुरू हो गई। सीएमओ को महानिदेशालय लखनऊ से संबद्ध कर दिया गया है। श्रावस्ती के एसीएमओ डॉ. उदय नाथ को कानपुर का नया सीएमओ बनाया गया है। वहीं, डॉ. हरिदत्त नेमी हाईकोर्ट जाने की तैयारी में हैं। स्वास्थ्य विभाग की सचिव रितू माहेश्वरी की ओर से बृहस्पतिवार को निलंबन आदेश जारी किया गया। निलंबन आदेश जारी होते ही सीएमओ ने अपने कैंप कार्यालय से प्रेस वार्ता कर डीएम पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनसे पैसा चाहते थे, सिस्टम में आने की सलाह देते रहे। जब हम उनके सिस्टम में नहीं आए तो निलंबन की संस्तुति कर दी। उन्होंने कहा, 16 दिसंबर 2024 को कार्यभार ग्रहण करने के बाद से डीएम हर बैठक में उन्हें जाति सूचक शब्दों के जरिए उत्पीड़न करते रहे।

किसानों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपकर समाधान की मांग की...

गुन्नौर/संभल(सब का सपना):- भारतीय किसान संघ के कार्यकताओं ने शुक्रवार, 20 जून को किसानों की प्रमुख समस्याओं को लेकर उपजिलाधिकारी गुन्नौर (एस. डी.एम.) को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में किसान हितों से जुड़ी चार मुख्य समस्याओं के समाधान की मांग की गई है। भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष महीपाल सिंह के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में स्पष्ट रूप से कहा गया कि भूमि की फर्द में अंश निर्धारण की प्रक्रिया पूर्णतः गलत ढंग से की गई है, जिससे हजारों किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। सभी खातेदारों को एक समान अंश देने से उन किसानों के अधिकारों का हनन हो रहा है, जिनकी जमीन अधिक है। इस व्यवस्था को ठीक करने के लिए प्रत्येक गांव में राजस्व शिविर लगाए जाने की मांग की गई है, ताकि सही तरीके से अंश निर्धारण हो सके। इसके साथ ही बिजली विभाग की लापरवाही को भी उजागर किया गया। संगठन ने आरोप लगाया कि घरेलू मीटरों में बिजली बिलों में दो गुना से अधिक की बढ़ोत्तरी हो गई है, जिससे ग्रामीण उपभोक्ता परेशान हैं। किसानों ने मांग की कि इन बिलों की जांच करवा कर वास्तविक उपभोग के अनुसार बिल जारी किए जाएं।ज्ञापन में अन्य दो प्रमुख मांगें भी की गईं। आवारा गौवंश पशुओं के कारण किसानों की फसलें लगातार नष्ट हो रही हैं। ऐसे पशुओं को गौशालाओं में आश्रय देने की स्थायी व्यवस्था की जाए। सरकारी बीज एवं खाद की दुकानों पर उचित मात्रा में और समय पर वितरण की व्यवस्था की जाए ताकि किसान नकली खाद और महंगे बीजों से बच सकें। जिला अध्यक्ष महीपाल सिंह ने मुख्यमंत्री से निवेदन किया कि किसानों की इन बुनियादी समस्याओं पर तुरंत संज्ञान लेकर जल्द से जल्द समाधान किया जाए, ताकि आगामी खेती के सीजन में किसानों को राहत मिल सके। ज्ञापन सौंपने के दौरान संगठन के कई पदाधिकारी और क्षेत्रीय किसान भी मौजूद रहे।

तीन साल से सूखे पड़े वाटर एटीएम, हर माह उगल रहे बिजली के बिल, 2.88 लाख का दिया झटका

अलीगढ़ : अलीगढ़ शहर में विभिन्न स्थानों पर लगे 8 वाटर एटीएम पिछले तीन वर्ष से खराब पड़े हैं। लेकिन इनका बिजली का बिल हर माह आ रहा है। तीन वर्षों में वाटर एटीएम से पानी की बूंद नहीं टपकी है लेकिन 2.88 लाख रुपये बिजली का बिल निगम पर बकाया हो गया है। ऐसे में सवाल यह है कि सफेद हाथी बने इन वाटर एटीएम को नगर निगम कब तक ढोएगा। वाटर एटीएम के लिए 3 किलोवाट का कनेक्शन लेकर मीटर लगाए गए थे। एलएमवी-4 श्रेणी में यह कनेक्शन दिए गए थे। इसमें सार्वजनिक और निजी संस्थानों को बिजली कनेक्शन देने का प्रावधान है। इसमें न्यूनतम बिलिंग 1 हजार रुपये की है। अर्थात वाटर एटीएम चले या न चले 1 हजार रुपये का बिल तो देना ही है। इस तरह आठ एटीएम का मासिक

बिल 8 हजार रुपये है। पिछले 36 महीने से वाटर एटीएम बंद पड़े हैं। इस तरह 2.88 लाख रुपये का बिल अब तक विभाग नगर निगम को दे चुका है। वाटर एटीएम के बारे में बोर्ड बैठक में मुद्दा उठाया था कि यह सही से संचालित क्यों नहीं हो पा रहे हैं। प्रति माह सभी एटीएम का 8 से 10 हजार रुपये का बिजली बिल नगर निगम पर आ रहा है। इसका कोई जवाब नहीं दिया गया। इसकी जांच की मांग अगली बोर्ड बैठक में करेंगे। - कुलदीप पांडेय, पूर्व उप सभापति वाटर एटीएम पर 80 लाख और इनको इंस्टाल करने पर 2 लाख रुपये खर्च हुए। अब यह अनुपयोगी बने हैं। हर महीने बिजली बिल बकाया बढ़ता जा रहा है। इस पर कोई चर्चा भी करने को तैयार नहीं है। बोर्ड बैठक में मुद्दा उठाया जाएगा। - पुष्पेंद्र जादौन, पूर्व उप सभापति, नगर निगम वाटर एटीएम को सही कराने के लिए अलग-अलग एजेंसियों से बात चल रही है। अब हम संचालन के साथ ही इनके रखरखाव का काम भी अनुबंध में शामिल करेंगे। जल्द ही इनको सही कराकर जन उपयोग में लाया जाएगा। - पुष्पेंद्र कुमार, सहायक अभियंता, नगर निगमरखरखाव के अभाव में हो गए खराब पूर्व महापौर मो. फुरकान कहते हैं कि सन 2022 में मेरे कार्यकाल में यह एटीएम लगे थे। करीब डेढ़ साल तक यह ठीक चले। शहर के लोगों ने इसकी तारीफ की। इसके बाद रखरखाव के अभाव में यह एटीएम खराब होने लगे। अब सभी एटीएम ठप हो गए हैं।

देवर संग नैन हुए चार, बने संबंध, पत्नी ने प्रेमी से करा दी पति की हत्या, दोनों ऐसे दबोचे

अलीगढ़ : दिल्ली, बम्बई, कलकत्ता गाड़ी लेकर जाते थे और कई-कई दिनों बाद घर लौटकर आते थे। बुआ के घर आना-जाना हुआ और उनके अविवाहित लड़के से नैन चार हो गए। पति की गैर मौजूदगी में दोनों की मुलाकात अवैध संबंधों तक बढ़ गई। पत्नी ने प्रेमी देवर को पूरी तरह पाने के लिए पति को रास्ते से हटाने की बात कही। मौका मिला और प्रेमी देवर ने गोली मारकर पति को रास्ते से हटा दिया। गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने 24 घंटे के अंदर पत्नी और प्रेमी देवर को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। 18 जून को अलीगढ़ के गंगीरी स्थित ग्राम नगला हिमाचल में 30 वर्षीय ऋषि पुत्र दंगल सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी। इस संबंध में थाना गंगीरी पर मृतक के भाई राहुल कुमार तहरीर दी और 19 जून को प्रेमी देवर नीरेश व मृतक की पत्नी ललिता यादव के खिलाफ मुकदमा लिखा गया। थाना गंगीरी पुलिस ने हत्या के अभियोग में वांछित चल रहे

नीरेश व ललिता यादव को 24 घंटे के अन्दर थाना गंगीरी क्षेत्र के नौगवां चौराहा से आज 20 जून को रात 1.45 बजे गिरफ्तार कर लिया। नीरेश की निशांदेही पर अभियुक्त के मकान से हत्या में प्रयुक्त आलाकत्ल एक अवैध तमंचा 315 बोर, 1 जिन्दा कारतूस व एक खोखा कारतूस 315 बोर बरामद किया। ऐसे आई नजदीकी और करा दी पति की हत्या पूछताछ पर मृतक की पत्नी ललिता ने बताया कि शादी चार वर्ष पहले हुई। पति बड़ी गाड़ी के डाईवर थे, जो अक्सर दिल्ली, बम्बई, कलकत्ता गाड़ी लेकर जाते थे। वह कई-कई दिनों बाद घर आते थे। ललिता की सगी बुआ की शादी मृतक के चाचा सौदान सिंह के साथ हुई। ललिता अक्सर अपनी बुआ के घर पर आती-जाती थी। वहां पर उसकी मुलाकात बुआ के बेटे यानी देवर नीरेश से हुई। नीरेश शादी शुदा नहीं है। अपने पति की गैर मौजूदगी में दोनों की मुलाकात अवैध संबंधों तक बढ़ गयी। दोनों एक दूसरे को चाहने लगे। दोनों साथ-साथ रहकर जीना चाहते थे। ललिता ने नीरेश से कई बार कहा कि तुम मेरे पति ऋषि को रास्ते से हटा दो, तब दोनों मजे से रहेंगे । नीरेश ने कहा था कि इन्तजार करो, जल्दी ही ऋषि को रास्ते से हटा दिया जाएगा। 7 जून को नीरेश के भाई बबलू की शादी थी। शादी में पति-पत्नी शादी से एक-दो दिन पहले आ गए। शादी के बाद 10-12 दिन गांव में रहे। 17 व 18 जून की रात्रि में अवैध संबंधों को लेकर पति ने पत्नी को भला बुरा कहकर मारा पीटा। वह नीरेश के घर आई और उसके कहा कि आज मौका है ऋषि को ठिकाने लगा दो। नीरेश कुछ देर बाद अपने घर से यह कहकर चला आया कि आज मैं ऋषि का काम तमाम कर देता हूं। नीरेश ने गली में गोली मारकर ऋषि की हत्या कर दी और आकर ललिता को बताया कि मैंने ऋषि को मार दिया। ललिता ने ये बात न अपने घर वालों को बताई, न ही गांव वालों को बताई और न ही पुलिस वालों को।

फरीदपुर थाने में 10 हजार रुपये रिश्वत लेते दरोगा गिरफ्तार, एंटी करप्शन टीम ने की कार्रवाई

बरेली : बरेली में एंटी करप्शन टीम ने शुक्रवार को फरीदपुर थाने के दरोगा सुनील कुमार वर्मा को 10 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। उसने एक मुकदमे में भगवंतापुर निवासी रेहान अंसारी से रिश्वत मांगी थी। आरोपी दरोगा के खिलाफ थाना कोतवाली बरेली में मुकदमा दर्ज किया गया है। फरीदपुर थाना क्षेत्र के भगवंतापुर निवासी रेहान अंसारी ने एंटी करप्शन ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें बताया था कि दरोगा ने थाने में दर्ज एक मुकदमे की विवेचना में आरोपियों को फायदा पहुंचाने व

मुकदमे को हल्का कर खत्म करने की धमकी देकर उनसे 10 हजार रुपये रिश्वत मांगी थी। थाना परिसर से हुई गिरफ्तारी इस शिकायत के बाद ट्रैप टीम प्रभारी निरीक्षक प्रवीण सान्याल के नेतृत्व में दरोगा को रंगेहाथ पकड़ने की योजना बनाई गई। दरोगा के कहने पर शुक्रवार दोपहर रेहान रिश्वत की रकम लेकर थाने पहुंचा। इससे पहले ट्रैप टीम को सूचित कर दिया। कोतवाली फरीदपुर परिसर में पीपल के पेड़ के नीचे से दरोगा ने रेहाल से जैसे ही रिश्वत ली, वैसे ही वहां मौजूद एंटी करप्शन टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। एंटी करप्शन टीम की कार्रवाई से थाने में खलबली मच गई। टीम आरोपी दरोगा को पकड़कर थाना कोतवाली बरेली आई। कोतवाली में दरोगा के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी दरोगा सुनील कुमार वर्मा बिजनौर का रहने वाला है। फरीदपुर थाने में उनकी तैनाती थी।

सांसद बर्क के कहने पर सर्वे रोकने को रिजवान ने जुटाई थी भीड़, सीडीआर से मिले सबूत

संभल: जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुए बवाल का मुख्य साजिशकर्ता तो पुलिस ने सांसद जियाउर्रहमान बर्क और जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट को माना है। चार्जशीट में इसका उल्लेख भी किया गया है। इसके अलावा सांसद के व्यक्तिगत सहायक अब्दुल रहमान के पिता रिजवान की भूमिका भीड़ को एकत्र करने में सामने आई है। सांसद के कहने पर रिजवान ने ही फोन कर जामा मस्जिद के आसपास इलाके के साथ सरायतरीन से भीड़ को सर्वे रोकने के लिए बुलाया था। यह सभी खुलासे रिजवान की सीडीआर सामने आने के बाद हुए थे। पुलिस ने चार्जशीट में लिखा है कि रिजवान जामा मस्जिद में इलेक्ट्रीशियन के तौर पर काम भी करता है। पुलिस ने आगे की छानबीन की तो भीड़ एकत्र करने की पुष्टि हुई। जिन लोगों से फोन पर बातचीत हुई थी। उनकी भूमिका की जांच करने पर वह भी बवाल की साजिश में शामिल पाए गए। इन सभी 23 आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट फाइल कर दी है। इसमें कुछ गिरफ्तार किए गए हैं। जबकि कुछ को धारा 35 (3) का नोटिस दिया गया है। चार्जशीट के अनुसार 24 नवंबर की सुबह सर्वे होगा। इसकी जानकारी जब जामा मस्जिद कमेटी के सदर को हुई तो उन्होंने 23 नवंबर की देर रात में ही

सबसे पहले यह सूचना सांसद को दी थी। सांसद ने कहा था कि सर्वे नहीं होने देना है। भीड़ को एकत्र किया जाए और इसके बाद रिजवान के फोन पर भी कई बार सांसद ने बातचीत की। जिसमें भीड़ को एकत्र करने और सर्वे होने से रोकने का संदेश दिया गया। इसके चलते सर्वे को रोकने के लिए बड़ी तादाद में भीड़ एकत्र हुई और बवाल किया। जफर अली पर आरोप है कि उन्होंने पूरी साजिश को सांसद के साथ मिलकर रचा और बवाल के बाद प्रेसवार्ता कर झूठे बयान दिए। जो गंभीर अपराध के संबंध में दिए गए थे। अलग-अलग दौर की पूछताछ में वह कोई साक्ष्य नहीं दे सके और उन्होंने कबूल किया कि सांसद ने ही भीड़ एकत्र करने के लिए कहा था। इसके बाद ही भीड़ एकत्र हुई। जामा मस्जिद कमेटी सदर 23 मार्च से जेल में बंद हैं। इन लोगों के खिलाफ दाखिल हुई है चार्जशीट सांसद जियाउर्रहमान बर्क, जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट, आसिफ, दानिश, मुजम्मिल, सुभान, जमशेद आलम, रफीक अली, आसिम, अब्दुल रहमान, रिजवान, हाजी राशिद, लड्डन खां, मुमताज, इतरत हुसैन, मताहिर हुसैन, अब्दुल माबूद खान, मोहसिन, आरिश, गिलमान, जाहिद अली, अल्तमश, मुजम्मिल खान। चार्जशीट में 14 लोगों की गवाही भी शमिल 24 नवंबर को हुए बवाल में एसआईटी ने जांच शुरू की तो साक्ष्य एकत्र करने के साथ बयान भी दर्ज किए। एसआईटी ने इस मुकदमे में 14 लोगों के बयान दर्ज किए हैं। यह वह लोग हैं जो बवाल के दौरान मौके पर मौजूद थे। इसमें पुलिस के साथ अधिवक्ता भी शामिल हैं। जिन्होंने पूरे बवाल को देखा था। इन गवाहों के बयान भी अहम साबित होंगे। 1100 पन्नों की चार्जशीट एसआईटी ने दाखिल की है। जामा मस्जिद कमेटी के सदर समेत छह पदाधिकारी आरोपी बनाए गए जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट तो 23 मार्च से जेल में बंद है। उन पर बवाल की साजिश करने और गंभीर अपराध में झूठे बयान देने जैसे गंभीर आरोप है। इसके अलावा चार्जशीट में पांच और पदाधिकारी आरोपी बनाए गए हैं। इनमें से किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है। पुलिस ने धारा 35 (3) का नोटिस तामील कराया है। सुहेल इकबाल के खिलाफ नहीं मिला सबूत सपा विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल पर 24 नवंबर 24 को बवाल में भीड़ को उकसाने का आरोप लगा था। सांसद के साथ सुहेल इकबाल को नामजद करते हुए 700-800 अज्ञात आरोपी बनाए गए थे। इसमें 23 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हो गई है। सुहेल इकबाल की भूमिका बवाल में नहीं पाई गई। मौके पर सुहेल इकबाल के होने की पुष्टि हुई थी। इसके चलते ही एसआईटी ने सुहेल इकबाल को क्लीन चिट दी है।22 नवंबर को जामा मस्जिद के बाहर खड़े होकर दिया गया बयान सांसद के लिए मुसीबत बना सांसद ने 22 नवंबर को जामा मस्जिद के बाहर खड़े होकर कहा था कि मस्जिद का सर्वे गलत किया जा रहा है। यह मस्जिद थी

बीडीए के 35 गांवों में विकास को मिलेगी रफ्तार, सबसे पहले बनेगा मास्टर प्लान

बरेली: बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने विस्तारित क्षेत्र में शामिल हुए 35 गांवों की तस्वीर संवारने और विकास को रफ्तार देने की तैयारी की है। सबसे पहले महायोजना बनेगी। इसके लिए पांच फर्मों ने प्रस्ताव दिए है। इन फर्मों की क्षमता योग्यता का परीक्षण शुरू हो चुका है। इसके बाद वित्तीय क्षमता का परीक्षण होगा। किसी एक फर्म को जिम्मेदारी मिलेगी। महायोजना में भू-उपयोग चिह्नित हो जाएगा। यह गांव नियोजित विकास की ओर आगे बढ़ेंगे। शासन की स्वीकृति पर जून 2024 में बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) की सीमा में सदर तहसील

के पांच, आंवला के 14 और फरीदपुर के 16 गांव शामिल किए गए थे। अब इन गांवों के विकास के लिए मास्टर प्लान (महायोजना) बनाई जानी है। इसके लिए टेंडर निकाले गए हैं। चयनित फर्म स्थलीय सर्वेक्षण करेंगी। इसके साथ ही भू-उपयोग चिह्नित हो जाएगा। कहां कैसे आबादी बसेगी। कौन सा इलाका ग्रीन बेल्ट रहेगा, कहां इंडस्ट्री लग सकेगी। इसके लिए महायोजना में भू-उपयोग चिह्नित होगा। मुख्य नगर नियोजक अजय सिंह ने बताया कि फर्म का चयन होने के बाद महायोजना बनेगी और भू-उपयोग के अनुसार ही निर्माण कार्य हो सकेंगे। इन गांवों के विकास को मिलेगी रफ्तार सदर तहसील के गांव : लहवरी, भगवतीपुर, कमुआ कलां, नरोत्तम नगला, भीकमपुर माफी। आंवला तहसील के गांव : अखा एहतमाली, अखा मुस्तकिल, कोहनी परतापुर, मजनूपुर, भोजपुर, रफियाबाद, कैमुआ, सरदार नगर, चाढ़पुर, आलमपुर जाफराबाद, नवदिया, बढ़रई कुइयां, मिलक मंशारामपुर, वाहनपुर।

जिलाधिकारी ने EVM और VVPAT वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा पार्टी पदाधिकारियों की उपस्थिति में EVM और VVPAT वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी जी और पार्टी पदाधिकारियों की उपस्थिति में विधानसभा वार प्रत्येक वेयर हाउस को खोल कर देखा गया और सीलिंग की कार्रवाई की गई । सीसीटीवी कैमरे की जांच की और संबंधित को आवश्यक निर्देश दिए । इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) बृजेश कुमार त्रिपाठी, एस ओ सी चकबंदी सहित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

यूपी में मानसून ने पकड़ी रफ्तार, 30 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी; पढ़ें अपने जिले का हाल

लखनऊ : उत्तर प्रदेश में मानसूनी बारिश ने रफ्तार पकड़ ली है। प्रदेश के दक्षिणी हिस्से से शुरू होकर मानसून का प्रभाव शुक्रवार को तराई, मध्य और पश्चिमी इलाकों में भी दिखा। बृहस्पतिवार और शुक्रवार के दौरान प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में मध्यम से अच्छी बारिश हुई। प्रयागराज, मिजार्पुर, अमेठी, उन्नाव आदि में बादल जमकर बरसे। राजधानी लखनऊ में भी अच्छी बारिश हुई। मौसम विभाग ने शनिवार के लिए प्रदेश के 30 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इनमें से चार जिलों प्रयागराज, सोनभद्र, मिजार्पुर और भदोही में भारी से अत्यधिक भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। तेज झोंकेदार हवाएं चलने के आसार वहीं लगभग 58 जिलों में गरज चमक के साथ बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। बारिश के दौरान इन इलाकों में तेज झोंकेदार हवाएं चलने के आसार हैं। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि शनिवार को बारिश के क्षेत्रफल और तीव्रता में और बढ़ोतरी आएगी। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल

कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में मानसून ने कुछ उत्तरी-पश्चिमी कुछ जिलों और एनसीआर को छोड़कर पूरे प्रदेश को कवर कर लिया है। शनिवार से प्रदेश के दक्षिणी इलाकों समेत विंध्य क्षेत्र और बुंदेलखंड में भी अच्छी बारिश देखने को मिलेगी। प्रयागराज, सोनभद्र, मिजार्पुर, भदोही में भारी से बहुत भारी वर्षा के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में मेघगर्जन व वज्रपात का येलो अलर्ट देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फरुर्खाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुर, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, महोबा, झांसी, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में मेघगर्जन व वज्रपात का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

साइबर ठगों का चीन कनेक्शन निकला, शेयर बाजार में इंवेस्टमेंट का झांसा देकर महिला को बनाया शिकार

दिल्ली में एक महिला को शेयर बाजार में निवेश के नाम पर 21 लाख रुपये की ठगी हुई। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है जिनके चीनी नागरिकों से संबंध हैं। ठगों ने एक फर्जी निवेश ऐप के जरिए महिला को झांसा दिया और वाट्सएप टेलीग्राम से संपर्क में रहे।

बाहरी दिल्ली: शेयर बाजार में निवेश के नाम पर एक महिला ठगी का शिकार हो गई। ठगों के झांसे में आकर अशोक विहार की रहने वाली महिला ने 21 लाख रुपये गंवा दिए। पुलिस ने ठगी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपित का चीनी नागरिकों से लिंक भी सामने आया है। पुलिस ने आरोपित से एटीएम कार्ड, चेक बुक, पासबुक, बैंक खाते से जुड़ी सिम कार्ड और मोबाइल हैंडसेट बरामद किया है। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी नेपाल गए थे, जहां उन्होंने चीनी नागरिकों की मदद से यह अपराध अंजाम दिया। पुलिस ने नेपाल से होटल के बिल और हवाई टिकटें भी बरामद की हैं। उत्तर-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि अशोक विहार निवासी मीनाक्षी शर्मा ने उत्तर-पश्चिम दिल्ली जिले के साइबर थाने में ठगी की शिकायत दर्ज कराई। तीन बार में ट्रांसफर किए 21 लाख रुपये महिला ने बताया कि उसे शेयर बाजार में निवेश के नाम पर तीन बार बैंकों में 21 लाख रुपये ट्रांसफर किए। ठगों ने उन्हें एक फर्जी निवेश एप दिखाया, जिसमें मुनाफा, घाटा और निवेश की जानकारी किसी वास्तविक प्लेटफार्म की तरह दिखाई जाती थी। आरोपित से बातचीत केवल टेलीग्राम और व्हाट्सएप के माध्यम से होती रही। आरोपित ने शेयर बाजार में भारी रिटर्न देने का झांसा देकर उनसे ठगी की। उन्होंने बताया कि शिकायत के बाद विशेष जांच टीम गठित कर जांच शुरू की गई। आरोपित केवल व्हाट्सएप और टेलीग्राम के जरिए पीड़िता के संपर्क में थे। जांच में सामने आया खाते विदेशों से जुड़े थे जांच में यह पाया गया कि इन खातों के डिजिटल सुराग विभिन्न विदेशी देशों से जुड़े हुए थे और बैंक खाते वास्तविक पते पर नहीं थे, इसलिए इस मामले ट्रेस करना और चुनौतीपूर्ण हो गया। तकनीकी निगरानी के बाद आखिरकार पुलिस ने दो संदिग्ध को मोहाली (पंजाब) के खरड़ क्षेत्र से पकड़ा। जिनकी पहचान पवन निवासी डडू माजरा कालोनी, चंडीगढ़ और मनकीरत ढिल्लों निवासी माडल टाउन, फिरोजपुर (पंजाब) के रूप में हुई। आरोपित टेलीग्राम ग्रुप के जरिये चीनी नागरिगों के संपर्क में थे जिला पुलिस उपायुक्त के अनुसार, पूछताछ में पता चला कि आरोपित पवन टेलीग्राम ग्रुप्स के माध्यम से चीनी नागरिकों के संपर्क में था और अपने जानकार लोगों से बैंक खाता लेकर उन्हें कमीशन के बदले उपलब्ध करा रहा था। आरोपित मनकीरत ने आर्थिक तंगी के चलते अपनी पत्नी के नाम पर फर्जी पते का इस्तेमाल कर बैंक अकाउंट खुलवाया, जिसका इस्तेमाल चीनी नागरिकों की मदद से धोखाधड़ी की रकम प्राप्त करने में किया गया। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपित नेपाल भी गए थे, जहां उन्होंने अपने विदेशी साथियों की मदद से अपराध अंजाम दिया। मामले में अन्य संबंधित शिकायतों में इनकी संलिप्तता की जांच जारी है।

मुंबई की धारावी मॉडल की तर्ज पर बनेगी दिल्ली की 675 झुग्गी बस्तियां! सीएम रेखा गुप्ता ने कर दिया साफ

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार 675 झुग्गी बस्तियों के पुनर्विकास के लिए मुंबई की धारावी मॉडल का अध्ययन कर रही है।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, दिल्ली सरकार का लोगों को सुव्यवस्थित ढंग से बचाना चाहती है न कि उजाड़ना। शालीमार बाग में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, वर्षों से झुग्गी में रहने वालों को मकान मिलेगा। लोगों को भी अपनी जिम्मेदारी समझानी होगी। यदि कोई व्यक्ति रेलवे लाइन के किनारे अतिक्रमण करके रहने लगेगा तो उसे मुख्यमंत्री नहीं बचा सकता। कोई दुर्घटना हो जाए, कोई व्यक्ति या गोमाता ट्रेन की चपेट में आ जाएं तो कौन जिम्मेदार होगा? प्रत्येक व्यक्ति की अपनी, अपने शहर और रेलवे की सुरक्षा करने की जिम्मेदारी है। शालीमार बाग में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, वर्षों से झुग्गी में रहने वालों को मकान मिलेगा। लोगों को भी अपनी जिम्मेदारी समझानी होगी। यदि कोई व्यक्ति रेलवे लाइन के किनारे अतिक्रमण करके रहने लगेगा तो उसे मुख्यमंत्री नहीं बचा सकता। कोई दुर्घटना हो जाए, कोई व्यक्ति या गोमाता ट्रेन की चपेट में आ जाएं तो कौन जिम्मेदार होगा? प्रत्येक व्यक्ति की अपनी, अपने शहर और रेलवे की सुरक्षा करने की जिम्मेदारी है।

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात, दिल्ली में इन कामों में योगदान देने में दिखाई रुचि

नई दिल्ली: ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर बृहस्पतिवार को दिल्ली सचिवालय पहुंचे और यहां पर आकर उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात की। टोनी ब्लेयर इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल चेंज के संस्थापक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के विकास में टोनी ब्लेयर इंस्टीट्यूट फार ग्लोबल चेंज अपना योगदान देगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने टोली ब्लेयर को दिल्ली में हो रहे बदलाव और कामों के साथ ही डिजिटल प्रशासन, पर्यावरणीय सुधार और शिक्षा क्षेत्र में चल रहे प्रयासों की जानकारी दी। सीएम रेखा गुप्ता ने विकसित दिल्ली की योजना की दी जानकारी उन्होंने कहा कि विकसित दिल्ली की परिकल्पना के अंतर्गत दिल्ली सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, महिलाओं के सशक्तिकरण और शहरी संरचना को आधुनिक और जनकेंद्रित बना रही है। कहा, शासन प्रणाली में सुधार, प्रौद्योगिकी के उपयोग और नागरिक कल्याण के लिए संयुक्त प्रयासों पर चर्चा की गई। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ने दिल्ली में हो रहे बदलावों की सराहना की। कहा, शासन प्रणाली में सुधार, प्रौद्योगिकी के उपयोग और नागरिक कल्याण के लिए संयुक्त प्रयासों पर चर्चा की गई। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ने दिल्ली में हो रहे बदलावों की सराहना की। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने डिजिटल प्रशासन, स्कूल शिक्षा प्रणाली में हो रहे बदलाव और पर्यावरण से संबंधित काम में योगदान देने की रुचि दिखाई।

मनीष सिसोदिया से एसीबी दफ्तर में हुई पूछताछ, गवाहों से हुआ आमना-सामना; भाजपा पर जमकर बरसे पूर्व डिप्टी सीएम

नई दिल्ली। कथित क्लासरूम घोटाला मामले में शुक्रवार को दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया से एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने पूछताछ की। वह सुबह 11 बजे एसीबी दफ्तर पहुंचे थे। एसीबी ने सिसोदिया का पांच गवाहों से भी आमना-सामना करवाया। एसीबी ने अपने बयान में बताया कि सिसोदिया से गवाहों के सामने पूछताछ की गई और उनके बयानों को रिकॉर्ड किया गया। इस केस से संबंधित हर तथ्यों और जानकारियों को निकालने का प्रयास किया गया। एसीबी ने बताया कि पूछताछ खत्म होने के बाद करीब ढ़ाई बजे वह दफ्तर से निकल गए। मामले में विस्तृत जांच जारी है। दिल्ली की जनता बीजेपी सरकार से परेशानः सिसोदिया वहीं एसीबी दफ्तर से निकलने के बाद सिसोदिया ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार पिछले सौ दिनों में कुछ नहीं कर पाई है। इनसे बिजली, पानी और स्वास्थ्य के मामलों में कोई काम नहीं हो पाया है। प्राइवेट स्कूल मनमानी फीस बढ़ा रहे हैं। दिल्ली की जनता इनसे परेशान है। सिसोदिया ने कहा कि अब इन्होंने इन सब बातों को छिपाने के लिए यह ड्रामा रचा है लेकिन होना इसमें भी कुछ नहीं है। अभी तक इनकी ईडी-सीबीआई कुछ नहीं कर पाई तो एसीबी की जांच में भी हम पाक साफ साबित होंगे। बता दें, यह मामला दिल्ली सरकार के स्कूलों में अधिक लागत पर कक्षाओं और स्कूल भवनों के निर्माण में अनियमितताओं और बड़े पैमाने पर घोटाले से संबंधित है। सिसोदिया ने कहा कि अब इन्होंने इन सब बातों को छिपाने के लिए यह ड्रामा रचा है लेकिन होना इसमें भी कुछ नहीं है। अभी तक इनकी ईडी-सीबीआई कुछ नहीं कर पाई तो एसीबी की जांच में भी हम पाक साफ साबित होंगे। बता दें, यह मामला दिल्ली सरकार के स्कूलों में अधिक लागत पर कक्षाओं और स्कूल भवनों के निर्माण में अनियमितताओं और बड़े पैमाने पर घोटाले से संबंधित है।

दिल्ली में आज आंधी के साथ हो सकती है तेज बारिश, लगातार तीसरे दिन लोगों को मिली साफ हवा

नई दिल्ली। उमस भरी गर्मी के बीच दिल्ली में शुक्रवार को भी आंधी-वर्षा का यलो अलर्ट बना हुआ है। दिन भर बादल छाए रहने, गर्जन वाले बादल बनने, बिजली चमकने, 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवा चलने और हल्की वर्षा होने के आसार हैं। हवा की रफ्तार 60 किमी प्रति घंटे तक भी जा सकती है। अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास ही रहने का अनुमान है। दिन में धूप भी खिली रहेगी। शुक्रवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान सामान्य से 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। वहीं मौसम की मेहरबानी से वायु गुणवत्ता लगातार तीसरे दिन भी अच्छी ही बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक बृहस्पतिवार सुबह साढ़े 9 दिल्ली का एक्यूआई 75 दर्ज किया गया। इसे संतोषजनक श्रेणी में रखा जाता है। एनसीआर के शहरों का एक्यूआई भी कहीं संतोषजनक तो कहीं मध्यम श्रेणी में बना हुआ है। हाल फिलहाल इसमें वृद्धि होने की संभावना भी नहीं लग रही। वहीं मौसम की मेहरबानी से वायु गुणवत्ता लगातार तीसरे दिन भी अच्छी ही बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक बृहस्पतिवार सुबह साढ़े 9 दिल्ली का एक्यूआई 75 दर्ज किया गया। इसे संतोषजनक श्रेणी में रखा जाता है। एनसीआर के शहरों का एक्यूआई भी कहीं संतोषजनक तो कहीं मध्यम श्रेणी में बना हुआ है। हाल फिलहाल इसमें वृद्धि होने की संभावना भी नहीं लग रही।

क्यूएस रैंकिंग 2026 आईआईटी दिल्ली ने मारी बाजी, इस वजह से बना देश का टॉप इंस्टीट्यूट

उदय जगताप, नई दिल्लीः क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2026 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (आईआईटी दिल्ली) ने विश्व के शीर्ष 125 शैक्षणिक संस्थानों में जगह बनाई है। इस बार संस्थान ने अपनी पिछली रैंकिंग 150 से छलांग लगाकर 123वीं रैंक वैश्विक स्तर पर हासिल की है। यही नहीं देश में भी रैंकिंग में अव्वल रहा है। इसका कारण विश्वविद्यालय में शोध पर लगातार किया जा रहा काम है। अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ मिलकर आइआइटी दिल्ली लगातार शोध कर रहा है। इसका असर रैंकिंग पर दिखा है। आईआईटी दिल्ली ने सभी मानकों पर खरा उतरने में कामयाबी हासिल की है। क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग में सर्वाधिक 30 प्रतिशत वेटेज एकेडमिक रेप्युटेशन को दिया जाता है। एक साल में 4200 शोध पत्रों का किया प्रकाशन इसमें आईआईटी दिल्ली ने विश्वभर में 147वां स्थान हासिल की है। पहले संस्थान 172वें स्थान पर था। डीन ऑफ प्लानिंग प्रो. विवेक बुआ ने कहा, रैंकिंग में शोध कार्य प्रमुख मानक है। आईआईटी ने एक साल में 4200 शोध पत्रों का प्रकाशन किया है। पिछले पांच साल में शोध कार्यों को एक हजार की संख्या तक बढ़ाया है। पांच साल पहले 3200 शोध पत्र का प्रकाशन हो रहा था। इसमें भी 30 प्रतिशत शोध वैश्विक स्तर पर जाने-माने संस्थानों के साथ मिलकर किए जा रहे हैं। इसके लिए आइआइटी दिल्ली ने विभिन्न संस्थानों से करार किए हुए हैं। एम्प्लायर रेपुटेशन में भी 23 स्थानों की छलांग लगाई संस्थान ने एम्प्लायर रेपुटेशन में 23 स्थानों की छलांग लगाई है। पहले 73वीं रैंक थी जो अब 50 हो गई है। इसे 15 प्रतिशत वेटेज दिया जाता है। यह प्रमाण है कि आईआईटी दिल्ली के छात्र वैश्विक स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। साइटेशन फार फैकल्टी मानक में 40 अंकों की बढ़ोतरी हुई है। इसकी वैश्विक रैंकक 126 से बढ़कर 86 हो गई है। सस्टेनिबिलिटी में 252 अंकों की बढ़ोतरी संस्थान ने दर्ज की है। पहले 424 रैंक थी अब 172 हो गई है। हालांकि इसका वेटेज पांच प्रतिशत ही है। लेकिन, आईआईटी दिल्ली ने नेट जीरो की दिशा में आगे बढ़ते हुए बहुत काम किया है। परिसर में वाहनों की संख्या कम करने पर जोर दिया जा रहा है। सौर ऊर्जा का इस्तेमाल भी बढ़ाया गया सौर ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ा है।

ठगी की रकम चीन भेजने वाले अंतरराज्यीय सिंडिकेट का पदार्फाश,

ऐप के माध्यम से चीनी ठगों के संपर्क में थे। अंतरराज्यीय सिंडिकेट के तीन ठग ठगी की रकम को क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से चीन ट्रांसफर कर रहे थे। इन्होंने हाल ही में दिल्ली के व्यक्ति से 15 लाख से ज्यादा रुपये ठगे थे। ये ऑनलाइन टास्क देकर ठगीर कर रहे थे। ऑनलाइन टास्क देकर बनाते थे शिकार जिले की साइबर थाना पुलिस को के कांत नाम के पीड़ित ने शिकायत दी थी। पीड़ित से ठगों ने व्हाट्सएप और टेलीग्राम के माध्यम से संपर्क किया था। आरोपितों ने पीड़ित को होटल और रेस्तरां के लिए ऑनलाइन पॉजिटिव समीक्षा करने के लिए कहा था। इस टास्क के एवज में मोटा मुनाफा कमाने का झांसा दिया। ठगों ने पीड़ित को भरोसे में लेने के लिए पहले तो कुछ दिनों तक उसे लाभ दिया। जब पीड़ित उनके झांसे में आ गया तो आरोपितों ने उनसे विभिन्न बहानों से 15.08 लाख रुपये ठग लिये थे। इंस्पेक्टर प्रवेश कौशिक ने बताया कि जिन खातों में ठगी की रकम भेजी गई। उनके बारे में जानकारी जुटाई गई। वह राजस्थान में अलग-अलग जगह के थे। पुलिस ने जयपुर, अजमेर सहित अन्य जगहों पर छापेमारी की। तब महेंद्र सिंह राजावत, आरिफ खान और लक्ष्मी नारायण वैश्य को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में पता चला कि आरिफ खान और लक्ष्मी नारायण वैश्य टेलीग्राम पर चीनी ठग के संपर्क में थे। उन्होंने ठगी की रकम के लिए चीनी ठगों को बैंक खाते भी उपलब्ध कराए। पुलिस को आरोपितों के मोबाइल में चीनी ठगों के साथ चैट और क्रिप्टोकरेंसी के लेनदेन का रिकार्ड भी मिला है। ये आरोपित ठगी का पैसा खातों में आते ही उसे 20 मिनट के अंदर निकाल लेते थे। फिर उस रकम को क्रिप्टोकरेंसी में बदल देते थे, ताकि पुलिस के पास उसका कोई रिकार्ड हो।

परफार्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स 2.0 रिपोर्ट में दिल्ली में शिक्षा का स्कोर बढ़ा, जानें कितने जिलों की श्रेणी बढ़ी

नई दिल्ली: राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 लागू होने के बाद देशभर में स्कूली शिक्षा व्यवस्था को सुधारने की दिशा में प्रयास तेज हुए हैं। इस दिशा में दिल्ली ने स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता और व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार किया है। केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी परफार्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स 2.0 रिपोर्ट 2023-24 में दिल्ली का औसत समग्र स्कोर 623.7 अंक रहा, जो पिछले वर्ष (2022-23) में 579.3 था। यानी इस वर्ष दिल्ली ने 44.4 अंकों की छलांग लगाई गई है। इसके चलते दिल्ली का ग्रेड आकांक्षी-1 (21 से 30 प्रतिशत) से बढ़कर प्रयास-3 (31 से 40 प्रतिशत) में पहुंच गया है। दिल्ली के 13 में से 11 जिले प्रचेष्टा-1 या इससे ऊपर की श्रेणी में यह रिपोर्ट राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के स्कूल शिक्षा प्रदर्शन का मूल्यांकन छह प्रमुख क्षेत्रों में करती है। जिसमें शिक्षण परिणाम (लर्निंग आउटकम), कक्षा प्रक्रिया (एफेक्टिव क्लासरूम ट्रांसेक्शन), आधारभूत संरचना (इंफ्रास्ट्रक्टर, फैसिलिटीज, स्टूडेंट एनटाइटेलमेंट), बाल सुरक्षा (स्कूल सेफ्टी व चाइल्ड प्रोटेक्शन), डिजिटल लर्निंग और प्रशासनिक प्रक्रियाएं (गर्वनेंस प्रासेस) शामिल हैं। जिलावार रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली के 13 में से 11 जिले प्रचेष्टा-1 या उससे ऊपर की श्रेणी में शामिल हो चुके हैं। इनमें दक्षिण पश्चिमी जिला 365 अंक के साथ सबसे ऊपर है फिर नई दिल्ली जिला 360 अंक के साथ दूसरे नंबर पर है। नई रिपोर्ट में यह स्पष्ट है कि दिल्ली सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों की स्थिति सुधारने के लिए किए जा रहे निवेश और नीतिगत प्रयासों का असर अब आंकड़ों में दिखने लगा है। दिल्ली ने कहां किया बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाएं : 2022-23 में 84.7 अंक लाने वाली दिल्ली ने 2023-24 में 117.9 अंक हासिल किए, जिससे यह उत्तम ग्रेड में पहुंच गई। प्रशासनिक प्रक्रियाएं : इसमें भी लगातार सुधार देखा गया, स्कोर 86.0 से बढ़कर 89.6 तक पहुंचा। डिजिटल लर्निंगः पिछली बार 39.3 अंक थे, जो इस बार बढ़कर 48.9 हो गए। कुछ क्षेत्रों में अभी भी सुधार की जरूरत हालांकि दिल्ली ने कई क्षेत्रों में सुधार किया है, फिर भी लर्निंग आउटकम, कक्षा प्रक्रिया और बाल सुरक्षा व संरक्षण जैसे क्षेत्रों में स्कोर अभी अपेक्षाकृत कम है।

डंकी रूट से महिला को अमेरिका भेजने वाला एजेंट दबोचा, 15 लाख में तय हुआ था सौदा

नई दिल्ली। दिल्ली में आईजीआई एयरपोर्ट थाना पुलिस ने डंकी रूट से एक महिला यात्री को अमेरिका भेजने वाले एक एजेंट को मुंबई से गिरफ्तार किया है। इस मामले में महिला यात्री अमेरिका में प्रवेश तो कर गई लेकिन वहां जांच के दौरान फर्जी दस्तावेज पाए जाने पर उसे अमेरिका से भारत डिपोर्ट कर दिया गया। महिला से मिली जानकारी के आधार पर जब छानबीन शुरू हुई तो पुलिस के हत्थे पहले दो एजेंट चढ़े और अब तीसरे एजेंट को पुलिस ने दबोचा है। आरोपित का नाम जाकिर खान है जो मुंबई में रहता है। छह वर्ष पूर्व महिला की गई थी डिपोर्ट आइजीआइ जिला पुलिस की अतिरिक्त आयुक्त उषा रंगनानी ने बताया कि 20 दिसंबर 2019 को मेहसाणा गुजरात निवासी किंजलबेन नारनभाई पटेल अमेरिका से आइजीआइ एयरपोर्ट पहुंची। इमिग्रेशन क्लियरेंस के दौरान जब यात्रा दस्तावेज की जांच हुई तो पता चला कि उसे अमेरिका से डिपोर्ट किया गया है। गौर से देखने पर पता चला कि महिला यात्री के प्रस्थान का कोई रिकार्ड नहीं है। वहीं, जांच में पता चला कि वह दो जून 2017 को चेन्नई एयरपोर्ट से माही हेमंग मोदी के नाम से जारी पासपोर्ट से रवाना हुई थी। पुलिस ने महिला यात्री के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया। किंजलबेन नारनभाई पटेल ने पूछताछ में बताया कि अमेरिका में उसका भाई रहता है। उसने भी वहां जाने का फैसला किया। दस्तावेज के लिए वह मार्च 2017 में जाकिर नमक एक एजेंट से मिली। जिसने 15 लाख रुपये में उसे अमेरिका भेजने का आश्वासन दिया। वह चेन्नई हवाई अड्डे पर चंद्रकात हेमांग मोदी से मिली, जहां उसने उसे जर्मनी की यात्रा के लिए माही हेमांग मोदी के नाम से जारी पासपोर्ट दिया।

दिल्ली पुलिस के फिंगर प्रिंट ब्यूरो और बम स्क्वाड की यूनीफार्म पर होंगे अब नए प्रतीक चिह्न

नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक विशेष समारोह में दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने फिंगर प्रिंट ब्यूरो (एफपीबी) और बम निरोधक दस्ता (बीडीएस) के आधिकारिक प्रतीक चिह्नों का अनावरण किया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में इन प्रतिष्ठित इकाइयों के महत्व और योगदान को औपचारिक पहचान दी गई। अब ये प्रतीक चिह्न संबंधित इकाइयों की वर्दी, जैकेट और आधिकारिक पत्राचार पर अंकित किए जाएंगे। दिल्ली पुलिस की फिंगर प्रिंट ब्यूरो और बम निरोधक दस्ता, दोनों ही विशेष इकाइयां अपराध जांच और राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था की रीढ़ मानी जाती हैं। पांच लाख से अधिक अपराधियों का हैं डेटाबेस विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) देवेश चंद्र श्रीवास्तव के मुताबिक, वर्ष 1983 में स्थापित यह ब्यूरो क्राइम ब्रांच के अंतर्गत काम करता है और इसके पास पांच लाख से अधिक अपराधियों का डेटाबेस है। अपराध स्थलों से प्राप्त फिंगर प्रिंट्स को पाउडर, अल्ट्रावायलेट लाइट और अन्य आधुनिक तकनीकों की मदद से उठाकर डेटाबेस से मिलान किया जाता है। ब्यूरो एफपीआइएस, एनएएफआइएस और सीआरआइएस जैसे अत्याधुनिक साफ्टवेयर का उपयोग कर रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर लागू एनएएफआइएस प्रणाली की मदद से कई अपराधियों की पहचान कर गिरफ्तारी की जा चुकी है। 2002 में गठित किया गया था बम स्क्वाड वर्ष 2002 में गठित यह दस्ता बम धमकी, संदिग्ध वस्तुओं और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में विस्फोटक सामग्री से निपटने के लिए लगातार मुस्तैद रहता है। बीडीएस और बीडीटी (बम पहचान टीम) 24७7 सतर्क रहते हुए वीवीआईपी दौरे, माल, बाजार और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की जांच व सैनिटाइजेशन का कार्य करती हैं। ये टीमें नवीनतम उपकरणों, मेटल डिटेक्टर, वेपर डिटेक्टर और डाग स्क्वाड की मदद से कार्य करती हैं। नियमित प्रशिक्षण के लिए एनएसजी, बीएसएफ, सीआरपीएफ और डीपीए के साथ इनका सहयोग होता है। विशेष पुलिस आयुक्त ने बताया कि दिल्ली पुलिस की इन विशेष इकाइयों ने न केवल अपराधियों की गिरफ्तारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, बल्कि राष्ट्रीय राजधानी में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी लगातार योगदान दिया है।

नए सिरे से नहीं होगी दिल्ली दंगा मामलों की सुनवाई, हाईकोर्ट ने वापस लिया जज का ट्रांसफर

नई दिल्ली। दिल्ली दंगा से जुड़ी बड़ी साजिश रचने के मामलों की सुनवाई में अब न देरी होगी और न ही इन्हें नए सिरे से सुना जाएगा। इस मामले में लंबे समय से सुनवाई कर रहे अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी का साकेत कोर्ट में किया गया स्थानांतरण दिल्ली हाईकोर्ट ने वापस ले लिया है। मई माह में दिल्ली हाईकोर्ट में एएसजे समीर बाजपेयी का तबादला साकेत कोर्ट में कर दिया था। हालांकि, मामले की सुनवाई अंतिम चरण में होने के तथ्य को देखते हुए हाईकोर्ट ने उनका स्थानान्तरण वापस ले लिया। इस मामले में लंबे समय से सुनवाई कर रहे अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी का साकेत कोर्ट में किया गया स्थानांतरण दिल्ली हाईकोर्ट ने वापस ले लिया है। मई माह में दिल्ली हाईकोर्ट में एएसजे समीर बाजपेयी का तबादला साकेत कोर्ट में कर दिया था। हालांकि, मामले की सुनवाई अंतिम चरण में होने के तथ्य को देखते हुए हाईकोर्ट ने उनका स्थानान्तरण वापस ले लिया।

सीपीआई-माओवादी से जुड़े 12 कैडरों ने पुलिस के सामने सरेंडर किया

रायपुर (एजेंसी)। सीपीआई (माओवादी) से जुड़े छत्तीसगढ़ के 12 कैडरों ने पुलिस के सामने सरेंडर किया है। सभी ने तेलंगाना के भद्राद्री-कोठागुडेम जिले में पुलिस के सामने सरेंडर किया। आत्मसमर्पण करने वालों में 2 डिवीजनल कमिटी सदस्य (डीवीसीएम) और 4 एरिया कमिटी सदस्य (एसीएम) शामिल हैं। सभी कैडर लंबे समय से माओवादी गतिविधियों में संलिप्त थे। फिलहाल तेलंगाना राज्य में इस साल अब तक कुल 566 माओवादी कैडर आत्मसमर्पण कर चुके हैं। पूरे देश में साल 2025 में अब तक कुल 1260 माओवादी कैडर आत्मसमर्पण कर चुके हैं। साल 2024 में ये संख्या 881 थी। इसके पहले आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में मुठभेड़ के दौरान सीपीआई (माओवादी) के तीन बड़े नेता मारे गए थे। आंध्र प्रदेश और ओडिशा बॉर्डर के इलाके में विशिष्ट माओवादी विरोधी बल ग्रेहाउंड्स के जवानों ने तलाशी अभियान चलाया था। उन्हें इस दौरान कुछ माओवादी नजर आए, जिनसे सरेंडर करने के लिए कहा गया था। हालांकि माओवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई के दौरान तीन माओवादी मारे गए।

मुंबई पुलिस ने बड़े देह व्यापार गिरोह का पर्दाफाश किया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने एक बड़े देह व्यापार गिरोह का पर्दाफाश किया है। दरअसल मुंबई में काफी समय से देह व्यापार से जुड़ी कई वारदातें सामने आ रही है। इसके बाद पुलिस ने एक्शन में आकर देह व्यापार गिरोह की जड़े काटने में जुट गई है। पुलिस ने मिली सूचना के बाद योजना के तहत एक महिला को गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस ने पश्चिमी उपनगर में स्थित एक रेस्टोरेंट पर छापेमारी कर एक महिला को देह व्यापार गिरोह संचालित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में एक नाबालिग लड़की सहित तीन महिलाओं को बचाया गया है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, अपराध शाखा को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर मलाड (पश्चिम) के चिंचोली बुंदर रोड पर स्थित एक रेस्टोरेंट पर छापा मारा गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने जाल बिछाकर एक फर्जी ग्राहक की मदद से आरोपी महिला को रंगे हाथों पकड़ा और मौके से एक नाबालिग लड़की और दो महिलाओं को बचाया।

इजरायल में फंसे बहराइच जिले के 150 मजदूर, परिजन चिंतित

बहराइच (एजेंसी)। ईरान और इजरायल का युद्ध तेज होने के कारण करीब 150 मजदूर कई इजराइल के शहरों में फंसे हैं। इसकारण घर वालों में भी बेचैनी है। इजरायल में फंसे एक श्रमिक ने बताया कि यहां की स्थिति ठीक नहीं है, इसलिए भारत वापस आना चाहता हूं। हालांकि इस समय फ्लाइट नहीं मिल पा रही हैं, इसके बाद उनके सामने सुरक्षा का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। रघुनाथपुर निवासी संदीप ने बताया कि यहां मिसाइल गिर रही हैं, लेकिन मिसाइल गिरने से पहले हम लोगों को अलर्ट मिलता है और सायरन बजने लगता है। हम लोग बंकरों में छिप जाते हैं। रोज-रोज के इन हालातों से ड्यूटी का भी हर्जा हो रहा है। अब हम लोग घर वापस जाना चाहते हैं। कमोबेश दूसरे श्रमिकों की स्थिति भी वैसी ही है। इजरायल गए मजदूर की पत्नी ने कहा कि मेरे पति एक साल से वहां काम कर रहे हैं। केंद्र सरकार से मेरी मांग हैं कि उन्हें सुरक्षित वापस घर तक भेजा जाए। अब इजरायल के हालत देखकर डर लग रहा है। अभी वे लोग सुरक्षित हैं, लेकिन कभी भी दुर्घटना हो सकती है। बता दें कि बहराइच के मिहीपुरवा इलाके से करीब 1500 श्रमिक विभिन्न इलाकों में इजरायल गए हुए। इनमें से अधिकतर के परिजन इस समय काफी दुविधा में हैं। अच्छी तनख्वाह से घर की स्थिति सुधर रही है, लेकिन इजरायल के बिगड़े हालात से परिवार परेशान हैं।

बिहार में तीन साल पहले बना कोठवारा-बैरिया पुल धंसा, लोग पूछ रहे इतनी जल्दी आखिर पुल क्षतिग्रस्त कैसे हुआ

गया (एजेंसी)। बिहार में बारिश के आते ही पुलों के धंसने का मामला सामने आया है। इस बार गयाजी में बने एक पुल का पाया धंस गया है। पुल का पाया धंसने के बाद सड़क पर आवागमन को लेकर लोगों को चेताया गया है। जानकारी के अनुसार गयाजी के डोभी प्रखंड क्षेत्र में पुल का एक पाया धंसा है। बताया जाता है कि जिले में हो रही मूसलाधार बारिश के बीच कोठवारा-बैरिया पुल क्षतिग्रस्त हुआ है। जिससे पुल में कई जगह दरारें आ गई हैं। बता दें कि कोठवारा-बैरिया पुल 3 साल पहले 2022 में बनकर तैयार हुआ था। निर्माण के तीसरे साल ही पुल का एक पाया धंसने से इस पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि यह आश्चर्य की बात है कि इतनी जल्दी आखिर पुल क्षतिग्रस्त कैसे हुआ। पुल का एक पाया धंसने के बाद किसी भी प्रकार के हादसे से बचाव के लिए भारी वाहनों का आवागमन रोक दिया गया है। एक बैनर लगाकर भी चेताया गया है। बैनर में लिखा हुआ है, कि यह पुल आवागमन के लिए सुरक्षित नहीं है। शेरघाटी के एसडीओ ने कहा कि कोठवारा-बैरिया पुल के धंसने की जानकारी अभी तक नहीं मिली है। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल उन्होंने सीओ को इस संबंध में निर्देश दिए हैं।

अब विमान में 11ए सीट के लिए लोग ज्यादा भुगतान करने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया विमान हादसे के बाद सीट 11ए पर एक यात्री के जीवित बचने से सबसे सुरक्षित सीटों को लेकर बहस छिड़ गई है। ऐसे में अब फ्लाइट की टिकट बुक करने वाले यात्री इस सीट के लिए एक्स्ट्रा पैसे देने के लिए तैयार हैं। बता दें 12 जून को अहमदाबाद में एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 के क्रैश होने के बाद, जिसमें 241 लोगों की जान चली गई थी, उसमें 40 साल के विश्वास कुमार रमेश बैठे इस हादसे में वह ही जीवित बचे हैं, जो सीट 11ए पर बैठे थे। जैसे ही इस बारे में लोगों को पता चला कि 11ए सीट पर बैठा शख्स जीवित बच गया है, हर कोई इस सीट के बारे में जानने को उत्सुक था।

शीर्ष खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट में खुलासा, कनाडा खालिस्तानी चरमपंथियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह

भारतीय कूटनीति की बड़ी जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा की शीर्ष खुफिया एजेंसी कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा (सीएसआईएस) ने 2024 की वार्षिक रिपोर्ट में पहली बार पुष्टि की है कि कनाडा भारत विरोधी खालिस्तानी चरमपंथियों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह बन गया है। यह खुलासा भारत द्वारा लंबे समय से की जा रही चिंता की पुष्टि करता है, जिसमें नई दिल्ली ने कनाडा पर भारत विरोधी तत्वों को शरण देने का आरोप लगाया था।

रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि खालिस्तानी चरमपंथी मुख्य रूप से भारत में हिंसा को बढ़ावा देने, धन जुटाने या योजना बनाने के लिए कनाडा को आधार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। रिपोर्ट में कनाडा स्थित खालिस्तानी चरमपंथियों (सीबीकेई) के सक्रिय समूह का उल्लेख भी किया गया है, जो हिंसक गतिविधियों के जरिए भारत के पंजाब में खालिस्तान राज्य की स्थापना के लिए प्रयासरत हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 1980 के दशक के मध्य से कनाडा में राजनीतिक रूप से प्रेरित हिंसक उग्रवाद का खतरा मुख्य रूप से कनाडा

स्थित खालिस्तानी उग्रवादियों (सीबीकेई) के जरिए से प्रकट हुआ है, जो मुख्य रूप से भारत के पंजाब में खालिस्तान राज्य बनाने के लिए हिंसक साधनों का इस्तेमाल और समर्थन करना चाहते हैं। कनाडा की यह पुष्टि ऐसे समय में भारत और कनाडा के बीच बिगड़ते-संवरते राजनयिक रिश्तों में आया अहम पड़ाव है। 2023 में ब्रिटिश कोलंबिया में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद दोनों देशों के संबंधों में दरार आ गइ थी। कनाडाई अधिकारियों ने इस हत्या को भारतीय सरकार के हस्तक्षेप से जोड़ा, जिसका भारत ने खंडन करते हुए इन आरोपों को बेतुका और निराधार बताया था।

बात दें पीएम मोदी के हाल ही में हुए दौरे के ठीक बाद यह खुलासा अल्बर्टा में जी-7 शिखर सम्मेलन में कनाडा के पीएम मार्क कार्नी और पीएम नरेन्द्र मोदी के बीच हुई बैठक के समय हुआ है। इस बैठक में दोनों नेताओं ने नए उच्चायुक्तों की नियुक्ति और व्यापार वार्ता को फिर शुरू करके द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य करने की दिशा में कदम उठाने पर सहमति जताई है।

हालांकि, कनाडा में सिख समर्थकों और कुछ सांसदों ने कार्नी द्वारा पीएम मोदी को जी7 में आमंत्रित करने के निर्णय की आलोचना की। इसके बावजूद कार्नी ने भारत के वैश्विक आर्थिक महत्व और रचनात्मक वार्ता की जरुरत पर जोर देते हुए अपने फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा कि भारत के साथ संबंधों को मजबूत करना कनाडा के राष्ट्रीय हित में है, भले ही कुछ सुरक्षा चिंताएं बरकरार हों।

ओडिशा से हजारों महिलाएं गायब, इन्हें खाड़ी देशों में बेचा जा रहा

-कांग्रेस के प्रभारी लल्लू ने बीजेपी सरकार को घेरा, लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। यूपी कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ओडिशा का प्रभार देख रहे हैं। ओडिशा में पार्टी को खड़ा करने, बीजेपी सरकार को घेरने और राज्य के सियासी समीकरणों से लेकर यूपी के हालात तक पर उन्होंने कहा कि बीजेपी का एक साल प्रताड़ना का रहा। अब वादों के विश्लेषण और जमीनी सचाई पर बात होगी। अब लोकतंत्र में जवाब तय करने का समय है। उन्होंने कहा कि सत्ता में आते समय बीजेपी ने 2036 का सपना दिखाया था, लेकिन एक साल में न सुशासन दिखाई दिया, न सामाजिक न्याय के लिए काम हुआ। योगी सरकार भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस की बात की थी। सीएम योगी ने कहा था कि जेल तैयार है। तमाम समितियों की रिपोर्ट में भ्रष्टाचार की गाथा है, फिर भी अभी तक कुछ नहीं हुआ।लल्लू ने कहा कि हम इन तमाम मुद्दों को लेकर बाकायदा लोगों के बीच जा रहे हैं। आदिवासियों के जमीन का पट्टा, राज्य से बड़ी तादाद में पलायन, उद्योग न लगना, कोल माइंस की वजह से 70 हजार लोगों का विस्थापन या उस इलाके में स्थानीय बीजेपी विधायक द्वारा 90 हजार पेड़ों को बिना इजाजत काटने का मामला हो, हम लगातार इनको उठा रहे हैं। कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी। अपनी मांगों को लेकर हम गांव-गांव, ब्लॉक, पंचायत स्तर से जिला स्तर तक जा रहे हैं। साथ ही हम अपनी संगठनात्मक प्रक्रिया भी चला रहे हैं। भले ही हम वहां मुख्य विपक्षी दल न हों, लेकिन एक अच्छे विपक्ष की तरह हम सदन से लेकर सड़क तक सरकार को घेर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ओडिशा में बीजेडी और बीजेपी की सरकार संयुक्त रूप से पिछले 11 साल से चल रही थी, आखिर के एक साल में ये अलग हुए। अब बीजेपी सरकार में है। राज्य से 44 हजार महिलाएं गायब हैं।

ममता सरकार को झटका, हाईकोर्ट ने बर्खास्त स्कूल कर्मचारियों को सहायता देने पर लगाई रोक

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल सरकार से कहा है कि वह शीर्ष अदालत के आदेश के बाद बर्खास्त किए गए गैर-शिक्षण स्कूल कर्मचारियों को 26 सितंबर तक आर्थिक सहायता न दे। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 2016 की भर्ती प्रतीक्षा सूची में शामिल उम्मीदवारों की याचिका के बाद नौकरी से निकाले गए ग्रुप-सी और ग्रुप-डी कर्मचारियों को भत्ते प्रदान करने के दिशा-निर्देशों को खारिज कर दिया। बंगाल सरकार के सहायता देने के फैसले पर अंतरिम रोक लगाते हुए जस्टिस अमृता सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार ग्रुप-सी और ग्रुप-डी कर्मचारियों को भत्ते नहीं दे सकती। यह रोक 26 सितंबर तक लागू रहेगी।

याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बावजूद अनियमितताओं के कारण बर्खास्त किए गए लोगों को 25,000 रुपये और 20,000 रुपये भत्ते प्रदान करना भ्रष्टाचार को पुरस्कृत करने के बराबर है। अदालत के इस फ़ैसले को कई लोग ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार के लिए झटका मान रहे हैं। हालांकि, कुछ लोगों का मानना है कि इस आदेश से राज्य को अस्थायी तौर पर कई करोड़ रुपये के वित्तीय बोझ से राहत मिली है। अदालत के हस्तक्षेप से न केवल भत्ते रुक गए हैं, बल्कि बर्खास्त कर्मचारियों से जुड़े सभी मामले न्यायिक जांच के दायरे में आ गए हैं। इससे राज्य सरकार को अपने रुख को अच्छे इरादे और कानूनी बाधाओं के बीच संघर्ष के रूप में पेश करने का मौका मिल सकता है - एक ऐसा कथानक जिसका इस्तेमाल वह अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले संभावित रूप से कर सकती है।

यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश से उपजा है, जिसमें 2016 के एसएससी पैनल के लगभग 26,000 उम्मीदवारों की नियुक्तियाँ रद्द कर दी गई थीं, जिनमें ग्रुप-सी और ग्रुप-डी के कर्मचारी शामिल थे। यह आदेश एक जांच के बाद आया, जिसमें कथित नकद-से-नौकरी घोटाले का खुलासा हुआ था। मई में, राज्य सरकार ने नौकरी से बाहर हुए ग्रुप-सी कर्मचारियों के लिए ?25,000 और ग्रुप-डी कर्मचारियों के लिए ?20,000 की मासिक सहायता की घोषणा की थी।

लादेन को छिपाने वाली पाकिस्तान की गलती को अमेरिका नहीं भूलेगा: थरूर

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। आतंकी ओसामा बिन लादेन को पनाह देने में पाकिस्तान ने कोई कसर नहीं छोड़ी थी। इससे अमेरिका आज भी नाराज है। इस मामले में पाकिस्तान की भूमिका की याद दिलाते हुए कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वॉशिंगटन ने डोनाल्ड ट्रंप और पाकिस्तानी सेना के जनरल आसिम मुनीर के बीच बैठक का उपयोग इस्लामाबाद को आतंकवाद का समर्थन न करने की सलाह देने के लिए किया होगा। थरूर ने कहा कि पाकिस्तानी सेना के जनरल को यह संदेश भेजना अमेरिका के हित में भी है क्योंकि पाकिस्तान ने ओसामा बिन लादेन को पनाह दी थी, जो हजारों लोगों की जान लेने वाले 11 सितंबर 2001 के आतंकवादी हमलों के लिए जिम्मेदार था।

कांग्रेस सांसद ने यह टिप्पणी ट्रंप द्वारा मुनीर को दोपहर भोज पर आमंत्रित किए जाने के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में यहां की। थरूर ने कहा कि उन्हें लगता है कि अमेरिका ने बातचीत के दौरान पाकिस्तान को आतंकवाद का समर्थन न करने, आतंकवादियों को पनाहगाह न देने तथा आतंकवादियों को भारत में न भेजने, उनकी मदद न करने, उन्हें प्रशिक्षित न करने, हथियार न देने और फंडिंग न करने के महत्व की याद दिलाई होगी। उन्होंने कहा कि यह संदेश कुछ अमेरिकी सीनेटरों और कांग्रेस सदस्यों द्वारा पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल को दिया गया है और उम्मीद है कि अमेरिका सरकार में सभी लोग ऐसा ही करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा, ''ओसामा बिन लादेन ने 9/11 के हमलों में 2,000 से अधिक लोगों को मार डाला था। उसने दो प्रतिष्ठित अमेरिकी इमारतों को नष्ट कर दिया था। इसलिए, इन परिस्थितियों में, इस आदमी को छिपाने में पाकिस्तान की गलती कुछ ऐसी है जिसे अमेरिकी आसानी से नहीं भूल सकते।

यह पूछे जाने पर कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात क्यों नहीं की, बल्कि पाकिस्तानी जनरल से मुलाकात की, थरूर ने कहा कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने किया, जो एक महत्वपूर्ण सम्मान था। उन्होंने कहा कि आमतौर पर संसदीय प्रतिनिधियों से देश के उप विदेश मंत्रियों जैसे वरिष्ठ अधिकारी मुलाकात करते हैं। थरूर ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बहुत पहले ही ट्रंप से मुलाकात कर चुके हैं। उन्होंने कहा, हमने बिलकुल वही संदेश दिया जो प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति को दिया था और हमारे संदेश को उपराष्ट्रपति तथा उप विदेश मंत्री ने किसी आपत्ति, असहमति या तर्क के बिना स्वीकार कर लिया। भारत-पाकिस्तान संघर्ष

को समाप्त करने के लिए अमेरिका द्वारा कथित मध्यस्थता पर थरूर ने कहा कि भारत को इसे रोकने के लिए किसी तरह के अनुनय की आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि उसने यह स्पष्ट कर दिया था कि यदि पाकिस्तान रुकेगा, तो वह भी रुकेगा। उन्होंने कहा, यदि राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से कोई दबाव रहा होगा तो वह केवल पाकिस्तान पर रहा होगा। जब पाकिस्तान ने संघर्ष रोकने की पेशकश की तो हमने रोक दिया। इसलिए, किसी मध्यस्थता या हम पर किसी दबाव की कोई आवश्यकता नहीं थी।

जुमे की नमाज के बाद इजरायल और अमेरिका के खिलाफ नमाजियों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ । राजधानी लखनऊ में बड़ा इमामबाड़ा स्थित आसिफी मस्जिद पर शुक्रवार को जुमा की नमाज के बाद शिया धर्म गुरु मौलाना कल्बे जव्वाद की अगुवाई में इजरायल के खिलाफ प्रदर्शन के खिलाफ सैकड़ों नमाजियों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इसरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की तस्वीर भी जलाई। मस्जिद के बाहर प्रदर्शन कर रहे लोगों के हाथ में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की तस्वीर और 'आई स्टैण्ड विद ईरान' की तख्ती थी। इतना ही नहीं प्रदर्शनकारियों अयातुल्ला अली खामेनेई के समर्थन में नारा लगाया। प्रदर्शन कर रहे है शिया समुदाय के लोगों ने कहा कि हिंदुस्तान सम्वत पूरी दुनिया का शिया ईरान के समर्थन में खड़ा है। अयातुल्ला अली खामेनेई और ईरान के दुश्मनों को हमारा पूरा खुला चैलेंज है। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने इजरायल के झंडे जलाए और वहां के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को कातिल बताते हुए उनकी तस्वीर जलाई। इसके साथ ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भी तस्वीर को आग के हवाले किया। मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा कि यह बेहद अफसोसनाक है कि लोग जुल्म करने वाले इजराइल का साथ दे रहे हैं। मौलाना ने कहा कि अपने हिंदुस्तान से हम शर्मिंदा हैं, वो इजराइल का साथ दे रहा है। भारत अमेरिका के साथ खड़ा है, जो इजरायल का साथ दे रहा है। इसलिए हम लोग शर्मिंदा हो रहे हैं। हमला करने वालों का साथ देने वाला भी अन्यायी है। हमारी मांग है कि भारत सरकार ईरान का साथ दे और लोगों का खून बहने वाले इजरायल का विरोध करे।

महाराष्ट्र और कर्नाटक सीमा विवाद को सुलझाने फडणवीस सरकार ने उच्चस्तरीय समिति का पुनर्गठन किया

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र और कर्नाटक सीमा विवाद की उत्पत्ति राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के माध्यम से भाषा आधार पर राज्यों के पुनर्गठन में हुई है। 1 नवंबर, 1956 से प्रभावी अधिनियम ने राज्यों को भाषा आधार पर विभाजित किया। 1 मई, 1960 को अपने निर्माण के बाद से, महाराष्ट्र ने दावा किया है कि बेलगावी (तब बेलगाम), कारवार और निपानी सहित 865 गांवों को महाराष्ट्र में मिलाना चाहिए। हालांकि, कर्नाटक ने अपने क्षेत्र को छोड़ने से इंकार किया है। इसके बाद से ही यह विवाद सालों से बना हुआ है।

अब महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने कर्नाटक के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को सुलझाने अपनी उच्चस्तरीय समिति का पुनर्गठन किया है। एक सरकारी प्रस्ताव (जीआर) ने समिति के पुनर्गठन की पुष्टि की, जिसकी अध्यक्षता अब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस करने वाले है। पैनल के पुनर्गठन का निर्णय एक व्यापक, प्रतिनिधि और गैर-पक्षपाती निकाय द्वारा सर्वसम्मति-आधारित निर्णय सुनिश्चित करने

के लिए हुआ था।

दरअसल समय-समय पर नई सरकार आने पर समिति का पुनर्गठन होता रहा है। बीते साल हुए विधानसभा चुनाव के बाद फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने के बाद अब समिति का पुनर्गठन हुआ है। फडणवीस इस 18 सदस्यीय समिति के अध्यक्ष हैं जिसमें उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार तथा पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे, शरद पवार और पृथ्वीराज चह्वाण शामिल हैं।

समिति के अन्य सदस्यों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक रोहित पाटिल और जयंत पाटिल, मंत्री चंद्रकांत पाटिल, शंभूराज देसाई, प्रकाश अबितकर, सुरेश खाड़े, भाजपा विधायक सुधीर गाडगिल, सचिन कल्याण शेट्टी, विधानसभा और विधान परिषद में विपक्ष के नेता शामिल हैं। महाराष्ट्र विधानसभा में फिलहाल विपक्ष का कोई नेता नहीं है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और कांग्रेस के विधायकों को उच्चस्तरीय समिति में शामिल नहीं किया है।

बात दें कि ये सीमा विवाद 1957 में भाषा आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के बाद शुरू हुआ था। महाराष्ट्र ने बेलगावी को राज्य में शामिल करने की मांग की थी, जो तत्कालीन बॉम्बे प्रेसीडेंसी का हिस्सा था, क्योंकि बेलगावी में मराठी भाषी आबादी अधिक है। तब महाराष्ट्र ने 800 से अधिक मराठी भाषी गांवों पर भी दावा किया जो वर्तमान में कर्नाटक में हैं। वहीं, कर्नाटक, राज्य पुनर्गठन अधिनियम और 1967 की महाजन आयोग रिपोर्ट के अनुसार भाषाई आधार पर किए गए सीमांकन को अंतिम मानता है।

15 साल के कियान ने दी पिता संजय कपूर को मुखाग्नि

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभिनेत्री करिश्मा कपूर के पूर्व पति और बिजनेसमैन संजय कपूर की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। वहीं निधन के सात दिन बाद संजय कपूर का गुरुवार को दिल्ली में अंतिम संस्कार हुआ। इस दौरान उनकी एक्स पत्नी करिश्मा कपूर अपने दोनों बच्चों बेटी समायरा और बेटे कियान के साथ मौजूद थीं।

संजय की तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव भी परिवार के साथ मौजूद थी।

बता दें कि संजय कपूर का अंतिम संस्कार दिल्ली में लोधी रोड शमशान घाट पर किया गया। इस दौरान करिश्मा कपूर अपने दोनों बच्चों के संग बेहद भावुक नजर आईं। पिता की अंतिम यात्रा के दौरान दोनों बच्चे कियान और बेटी समायरा मां के गले लगकर फूट-फूटकर रोए। इस दौरान करिश्मा की आंखों से भी आंसू छलक पड़े थे। इस दौरान उनकी बहन करीना और जीजा सैफ अली खान ने उन्हें संभाला। करीना भी इस दौरान काफी इमोशनल दिख रही थीं। दरअसल संजय कपूर ने तीन

शादियां की थीं। उनकी पहली पत्नी नंदिता महतानी से उनका शादी के चार साल बाद ही तलाक हुआ था। इनका कोई बच्चा नही हैं। साल 2003 में संजय और करिश्मा कपूर शादी के बंधन में बंधे थे। इनके दो बच्चे हैं बेटी समायरा और बेटा कियान। हालांकि साल 2016 में इनका भी तलाक हुआ था। साल 2017 में संजय ने प्रिया सचदेव से शादी की थी। इनका एक बेटा अजारियस है। लेकिन बिजनेसमैन के अंतिम संस्कार की सभी रस्में उनके और करिश्मा कपूर के 15 साल के बेटे कियान ने की। कियान ने ही पिता को मुखाग्नि दी थी।

संजय कपूर की प्रेयर मीट 22 जून को दिल्ली के ताज पैलेस होटल में शाम 4 से 5 बजे के लिए रखी गई है। प्रेस नोट में संजय कपूर की मां रानी सुरिंदर कपूर, प्रिया सचदेव और उनके बच्चे और करिश्मा कपूर के दोनों बच्चों का नाम मेंशन था।

अब टिकट होगी कन्फर्म, रेलवे ने लगाई वेटलिस्ट पर 25 प्रतिशत की सीमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रेनों में भीड़भाड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। रेल मंत्रालय ने घोषणा की है कि अब किसी भी ट्रेन में वेटलिस्ट टिकटों की संख्या को ट्रेन की कुल क्षमता के 25 प्रतिशत तक सीमित किया जाएगा। इस नए नियम का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करना और ओवरबुकिंग की समस्या को कम करना है। रिपोर्ट के मुताबिक, अब रेलवे हर ट्रेन के एसी फर्स्ट क्लास, एसी सेकंड, एसी थर्ड, स्लीपर और चेयर कार में कुल बर्थ/सीटों का अधिकतम 25 प्रतिशत ही वेटिंग टिकट के रूप में जारी करेगा। यह बदलाव विभिन्न कोटे- जैसे दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, और महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

रेल मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक, प्रत्येक जोनल रेलवे को यह अधिकार दिया गया है कि वह अपने क्षेत्र के ट्रेनों में बुकिंग और कैंसिलेशन के पैटर्न को देखते हुए वेटिंग टिकट की सीमा तय कर सकता है। इससे ट्रेनों की प्रकृति और यात्रियों की मांग के अनुसार लचीलापन भी रहेगा। यह नई व्यवस्था न केवल यात्रियों को असमंजस से बचाएगी, बल्कि ट्रेनों में अनधिकृत भीड़ को भी कम करने में मदद करेगी। इससे बोर्डिंग प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित होगी और आरक्षित डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों को बेहतर अनुभव मिलेगा।

ट्रेनों में अनावश्यक भीड़ भी कम होगी

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, आंकड़ों से यह पता चलता है कि चार्ट बनने तक लगभग 20 प्रतिशत से 25 प्रतिशत वेटिंग टिकट कंफर्म हो जाते हैं। इस आधार पर नई सीमा तय की गई है ताकि यात्रियों को टिकट की स्थिति को लेकर अधिक स्पष्टता मिल सके। रेलवे बोर्ड द्वारा जारी सर्कुलर के बाद, देशभर के विभिन्न जोनल रेलवे इस नई व्यवस्था को लागू करने लगे हैं।रेलवे के अनुसार, यह नियम सभी श्रेणियों की ट्रेनों, जैसे कि राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, मेल/एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों पर लागू होगा। उदाहरण के लिए, यदि किसी ट्रेन में 1,000 सीटें उपलब्ध हैं, तो उसमें अधिकतम 250 वेटलिस्ट टिकट ही जारी किए जाएंगे। इस कदम से न केवल यात्रियों को अपनी यात्रा की पुष्टि होने की संभावना बढ़ेगी, बल्कि ट्रेनों में अनावश्यक भीड़ भी कम होगी। जनवरी 2013 के सर्कुलर के अनुसार, पहले एसी फर्स्ट क्लास में अधिकतम 30, एसी सेकंड में 100, एसी थर्ड में 300 और स्लीपर क्लास में 400 वेटिंग टिकट जारी किए जा सकते थे। इसके चलते यात्रियों को अक्सर आखिरी वक्त तक टिकट कंफर्म होने की चिंता रहती थी।एक वरिष्ठ रेलवे अधिकारी ने बताया, वेटिंग टिकटों की अधिक संख्या के कारण रिजर्व्ड कोचों में बिना कन्फर्म टिकट वाले यात्री भी चढ़ जाते थे, जिससे कोचों में भारी भीड़ और अव्यवस्था होती थी। नई नीति इस गड़बड़ी को रोकने में मदद करेगी।

इंग्लैंड बनाम भारत : डेब्यू मैच में शून्य पर आउट हुए सुदर्शन, लंच तक भारत के 2 विकेट गिरे

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा रहा है। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया है। भारत की तरफ से साई सुदर्शन ने डेब्यू किया और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। करुण नायर 8 साल बाद टेस्ट क्रिकेट खेलेंगे।

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए लंच ब्रेक तक 2 विकेट के नुकसान पर 92 रन बनाए। केएल राहुल ब्रायडन कार्से की गेंद पर खराब शॉट के कारण स्लिप में कैच आउट हुए। राहुल ने 78 गेंदों पर 42 रन बनाए जिसमें 8 चौके शामिल थे। स्टोक्स ने डेब्यू कर रहे साई सुदर्शन को खाता नहीं खोलने दिया और जेमी स्मिथ के हाथों शून्य पर आउट करवाया। सुदर्शन ने 4 गेंदें खेली लेकिन एक भी रन नहीं बना पाए।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर कहा, 'हम गेंदबाजी करेंगे। हेडिंग्ले एक बहुत ही अच्छा क्रिकेट विकेट है, हमने यहां कुछ बहुत अच्छे खेल खेले हैं। हम शुरुआती परिस्थितियों का उपयोग करने की कोशिश करना चाहते हैं। आने में बहुत समय लग गया, थोड़ा अजीब है कि यह सिर्फ दूसरी सीरीज है लेकिन हम तैयार हैं। यह मिश्रित रहा है, कुछ लड़कों ने काउंटी क्रिकेट खेला है, हमने तीन दिन वास्तव में अच्छा क्रिकेट खेला है। शीर्ष सात में सामान्य संदिग्ध, वोक्स, ब्रायडन और बाकी।

भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने कहा, हम भी गेंदबाजी करते, पहले सत्र में थोड़ी मुश्किल हो सकती है लेकिन बाद में बल्लेबाजी करना अच्छा रहेगा। सूरज निकल चुका है, हमारे लिए यह एक अच्छी बल्लेबाजी डेक होनी चाहिए। तैयारी कमाल की रही है, हमने बेकेनहैम में अभ्यास मैच खेला, खिलाड़ी बहुत अच्छा महसूस कर रहे हैं। साई ने अपना डेब्यू किया, करुण आए। साई तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों की याद में भारत और इंग्लैंड ने बांधी काली पट्टियां, रखा मौन

लीड्स (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने पहले टेस्ट मैच में काली पट्टी बांधी। यह उन लोगों के लिए बांधी गई थी जो पिछले सप्ताह अहमदाबाद में विमान दुर्घटना में मारे गए थे। मैच से पहले मारे गए लोगों की स्मृति में एक मिनट का मौन रखा।

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने हमारी संवेदनाएं पिछले सप्ताह अहमदाबाद में हुई भयानक घटना से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। 12 जून को अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही क्षणों बाद लंदन के गैटविक हवाई अड्डे के लिए रवाना हुए एयर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 240 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई, जिनमें से अधिकांश भारतीय और ब्रिटिश नागरिक थे।

बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान हवाई अड्डे के ठीक बाहर स्थित बीजे मेडिकल कॉलेज के छात्रावास में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें केवल एक ही व्यक्ति जीवित बचा। भारत के उप-कप्तान ऋषभ पंत ने प्री-सीरीज प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अहमदाबाद विमान दुर्घटना के कारण माहौल उदास हो जाने के बाद खिलाड़ी देश को फिर से खुश करने का कोई रास्ता खोज लेंगे।

पंत ने कहा, 'विमान (दुर्घटना) में जो कुछ हुआ, मुझे लगता है कि पूरा भारत निराश था, लेकिन साथ ही हमारी तरफ से एकमात्र बात...हम उनके साथ खड़े रहेंगे कि हम भारत को फिर से कैसे खुश कर सकते हैं। जाहिर है कि दुर्घटना में जो कुछ हुआ, उसके कारण भावनाएं बहुत अधिक होंगी, लेकिन साथ ही हम देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने जा रहे हैं, कि हम उन्हें कैसे खुश कर सकते हैं और यह हमेशा एक अतिरिक्त जिम्मेदारी है।'

उन्होंने उस समय कहा था, 'आप भारत को हर समय खुश रखना चाहते हैं लेकिन एक क्रिकेटर के तौर पर यह हर समय संभव नहीं है लेकिन मैं अपनी तरफ से यह वादा कर सकता हूं कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और हम अपना 200 प्रतिशत देंगे और इस प्रक्रिया में हम भारत को और अधिक खुशहाल जगह बनाएंगे।'

टेस्ट सीरीज जीतना आईपीएल से अधिक महत्वपूर्व : शुभमन

लीड्स (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले कहा कि टेस्ट सीरीज जीतना आईपीएल खिताब जीतने से कहीं बड़ी उपलब्धि है। इसलिए उनके टीम का लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल करना है। उन्होंने कहा, 'टेस्ट सीरीज में जीत के लिए अधिक अवसर नहीं मिलते हैं क्योंकि अधिक

दौरे नहीं होते हैं। वहीं आईपीएल हर साल होता है और जीत हासिल करने का अवसर रहता है , इसलिए टेस्ट सीरीज सबसे महित्वपूर्व है और वह भी इइंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका में हो तो उससे बड़ा कुछ नहीं हो सकता। उन्हें इंग्लैंड में लाल गेंद से खेलने का अनुभवी अधिक नहीं है पर वह चिन्तित नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'कई लोग कहते हैं कि आपकी टीम के पास उतना अनुभव नहीं है पर अच्छी बात यह है कि हम पर अपेक्षाओं का उतना बोझ नहीं होगा क्योंकि अधिकांश खिलाड़ी इंग्लैंड में खेले नहीं है। इससे वह निडर होकर खेलेंगे। गिल ने कहा, 'पिछले पांच से दस साल में हमारे सीनियर्स से हमें जो हासिल हुआ है वह यही है कि हम कहीं भी जीत सकते हैं। हम उसी आत्मविश्वास के साथ खेलने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका और मुख्य कोच गौतम गंभीर का मानना है कि कोहली के संन्यास के बाद उन्हें ही चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। कप्तान ने कहा है कि वह सुरक्षा का माहौल बनाना चाहते हैं जिससे खिलाड़ी बिना किसी दबाव के अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा, 'अगर हम ऐसा करने में सफल रहे तो टेस्ट सीरीजऔर डब्ल्यूटीसी चक्र में हम सफल रहेंगे। उन्होंने का कि खिलाड़ियों से सीधे संवाद की जरूरत है कि जिससे पता चले कि क्या चाहते हैं । उन्हें अपना स्वाभाविक खेल दिखाने की आजादी मिलनी चाहिए। गिल ने यह भी कहा कि आईपीएल के दौरान उन्होंने इंग्लैंड दौरे की तैयारी के लिए विराट और रोहित से सलाह ली थी। उन्होंने कहा, 'मैं आईपीएल के दौरान दोनों से मिला और उन्होंने इंग्लैंड के अपने अनुभवों के बारे में बताया था।

हॉकी खिलाड़ियों को पहली बार टॉप्स के तहत 25000 रू. प्रतिमाह अतिरिक्त भत्ता मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी को आगामी महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले प्रोत्साहन देने की कवायद में खेल मंत्रालय ने पहली बार हॉकी खिलाड़ियों को भी 25000 रूपये प्रतिमाह अतिरिक्त भत्ता (आउट आफ पॉकेट अलाउंस) देने को मंजूरी दी है। मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की बृहस्पतिवार को हुई 156वीं बैठक में 'टारगेट ओलंपिक पोडियम' (टॉप्स) योजना के तहत 80 हॉकी खिलाड़ियों को यह भत्ता देने का फैसला लिया गया। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को यहां मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कहा ,''हॉकी इंडिया की ओर से बार बार यह अनुरोध आ रहा था जिसे मंजूरी दे दी गई है। इसके तहत 80 हॉकी खिलाड़ियों (40 पुरूष और 40 महिला) को प्रतिमाह 25000 रूपये 'आउट आफ पॉकेट' भत्ता (ओपीए) दिया जायेगा जो टॉप्स योजना के तहत खिलाड़ियों को मिलता है।'' उन्होंने

कहा ,' हमारा लक्ष्य यही है कि खिलाड़ी प्रदर्शन पर फोकस करे और देश के लिये पदक जीतें।'' टॉप्स के तहत कोर समूह के खिलाड़ियों को 50000 रूपये और डेवलपमेंटल खिलाड़ियों को 25000 रूपये प्रतिमाह ओपीए दिया जाता है। वहीं टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप (टीएजीजी) में शामिल खिलाड़ियों को 50000 रूपये प्रतिमाह ओपीए मिलता है। इसके लिये हॉकी इंडिया हर महीने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को 80 खिलाड़ियों की सूची सौपेगा जिसके मायने है कि इसमें बदलाव की भी गुंजाइश होगी। इसमें मूल रूप से सीनियर कोर ग्रुप में शामिल खिलाड़ी और जूनियर खिलाड़ी भी होंगे जो नियमित रूप से राष्ट्रीय टीमों का हिस्सा हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे खिलाड़ियों का आगामी महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले मनोबल और बढेगा। टिर्की ने से कहा ,'' हम मंत्रालय को धन्यवाद देना चाहते हैं जिसने यह अहम फैसला लिया। हमारे खिलाड़ियों को विश्व कप, ओलंपिक और एशियाई खेल जैसे अहम टूर्नामेंट खेलने हैं और उनका मनोबल इस पहल से काफी बढेगा।'' पिछले कुछ वर्षों में भारतीय हॉकी का ग्राफ ऊपर की ओर बढा है। तोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत ने 41 साल बाद कांस्य पदक जीता जबकि महिला टीम ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए चौथे स्थान पर रही थी। भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक बरकरार रखा। वहीं ग्वांग्जू एशियाई खेलों में भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने स्वर्ण पदक जीता था। हॉकी खिलाड़ियों को अपने नियोक्ताओं से वेतन मिलता है जबकि क्रिकेट की तर्ज पर ग्रेड के आधार पर अनुबंध व्यवस्था शुरू करने पर हॉकी इंडिया पिछले कुछ साल से विचार कर रहा है। इसके अलावा ओलंपिक और एशियाई खेलों समेत अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करने पर पुरस्कार राशि मिलती है।

बुमराह को नया रिकार्ड बनाने चाहिये दो विकेट

लंदन । इंग्लैंड के साथ 5 मैच की टेस्ट सीरीज के पहले ही टेस्ट में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की एक नया विश्व रिकार्ड बनाएंगे। बुमराह इसी के साथ ही में सेना देशों दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज बन जाएंगे। अभी वह दूसरे नंबर पर हैं। वहीं इस सूची में पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम नंबर एक पर हैं। अकरम ने अपने टेस्ट करियर में सेना देशों में खेले 32 मैचों की 55 पारियों में 24.11 की औसत के साथ 146 विकेट लिए थे। वहीं जसप्रीत बुमराह 145 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। बुमराह ने इन देशों में अभी तक 31 मैच खेलकर 21.02 की औसत से ये विकेट लिए हैं। अगर वह पहले टेस्ट में ही 2 विकेट निकालने में कामयाब रहते हैं तो वह सेना देशों में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले गेंदबाज बन जाएंगे। सेना देशों में अकरम ने 146 विकेट लिए थे। वहीं बुमराह के नाम 145 विकेट हैं जबकि तीसरे स्थान पर रहे अनिल कुंबले के नाम 141 व चौथे स्थान पर रहे इशांत शर्मा के नाम 130 विकेट हैं जबकि मोहम्मद शमी के नाम 123 विकेट हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करेंगे यशस्वी : रहाणे

मुंबई । अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने कहा है कि यशस्वी जायसवाल जानते हैं कि सलामी बल्लेबाज की भूमिका किस प्रकार निभाई जाती है। ऐसे में वह इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। रहाणे ने कहा कि डेब्यू के बाद से ही इस युवा बल्लेबाज ने अपने को साबित किया है। रहाणे ने कहा, 'व्यक्तिगत रूप से मैं यशस्वी को अच्छा प्रदर्शन करते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं क्योंकि इंग्लैंड में पारी की शुरुआत करना कठिन होता है। उन्होंने कहा, 'उसके पास अच्छा कौशल है। वह एक छोर पर विकेट बचाकर रख सकता है और जरूरत पड़ने पर आक्रामक बल्लेबाजी भी कर सकता है। इसलिए मैं इंग्लैंड में उसके प्रदर्शन को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। रहाणे ने भारत की तरफ से अपना आखिरी मैच दो साल पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था, जबकि यशस्वी जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज में टेस्ट क्रिकेट में शानदार पदार्पण करने के बाद से टीम के पहली पसंद के सलामी बल्लेबाज रहे हैं।

गिलक्रिस्ट बोले, यशस्वी है भविष्य का सितारा

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर रहे एडम गिलक्रिस्ट ने भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा करते हुए हुए भविष्य का सितारा बताया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में यशस्वी के शतक और मिचेल स्टार्क के साथ उनकी झड़प को लेकर गिलक्रिस्ट ने कहा कि इस प्रकार की बातें होती रहती हैं। वह घटना बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट की थी थी। जिसमें यशस्वी ने स्टार्क की गेंद पर चौका लगाकर उनपर टिप्पणी कर दी थी, तुम बहुत धीमी गेंद फेंक रहे। उस टेस्ट में दोनों के बीच हल्की-फुल्की बहस हुई थी। यशस्वी ने उस पारी में शतक लगाया था। वहीं अगले ही टेस्ट में स्टार्क ने जायसवाल को शून्य पर ही पेवेलियन भेजे दिया था। गिलक्रिस्ट ने पर्थ टेस्ट और यशस्वी को लेकर कहा कहा, यह उसका (जायसवाल) दिन था। यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया की तेज और उछाल भरी पिचों पर शानदार प्रदर्शन किया था। वह भारत की ओर से सीरीज में सबसे अधिक रन बनान वाले खिलाड़ी रहे थे। उन्होंने 5 टेस्ट मैच की सीरीज में 391 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने पर्थ में 161 रन की शानदार शतकीय पारी खेली थी। सीरीज में 2 अर्धशतक भी उनके नाम थे। यशस्वी पिछले 4 सीरीज में 3 बार भारत के लिए शीर्ष स्कोरर रहे हैं।

सात गोल्ड का मौका छूटा, पांच फाइनल में हारे भारतीय तीरंदाज, 9 पदकों के साथ करना पड़ा संतोष

सिंगापुर (एजेंसी)। भारत के जूनियर तीरंदाजों के पास एशिया कप के दूसरे चरण में सात स्वर्ण पदक जीतने का मौका था लेकिन पांच फाइनल में हारने के कारण उन्हें अधिकतर स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस तरह से भारत ने प्रतियोगिता में दो स्वर्ण, छह रजत और एक कांस्य सहित कुल नौ पदक जीतकर अपने अभियान का अंत किया। रिकर्व और कम्पाउंड स्पर्धाओं के 10 में से सात फाइनल में पहुंचने के बावजूद भारतीय तीरंदाज केवल दो बार पोडियम पर शीर्ष पर रहे।

भारतीय खिलाड़ी जिस तरह से अपने से कम रैंकिंग वाले खिलाड़ियों से हारे वह वास्तव में चिंताजनक है। हमेशा की तरह ओलंपिक स्पर्धा के रिकर्व वर्ग में नतीजे विशेष रूप से चिंताजनक रहे जिसमें भारत एक भी स्वर्ण जीतने में असफल रहा। असल में टीम स्पर्धाओं में दो रजत पदकों

के अलावा रिकर्व तीरंदाज खाली हाथ लौटे। क्वालिफिकेशन राउंड के बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष टीम फाइनल में जापान के खिलाफ आसानी से हार गई। विष्णु चौधरी, पारस हुड्डा और जुयेल सरकार तीन में से दो सेटों में 50 का आंकड़ा छूने में असफल रहे और सीधे सेटों में 6-0 से हार गए।

रिकर्व मिश्रित टीम फाइनल में भी यही कहानी रही। चौधरी और वैष्णवी पवार की चौथी वरीयता प्राप्त टीम इंडोनेशिया के खिलाफ पूरे मुकाबले में गलतियां करती रही। यदि रिकर्व वर्ग के परिणाम निराशाजनक थे, तो कम्पाउंड वर्ग ने कुछ राहत प्रदान की। भारत ने अपने दोनों स्वर्ण पदक इस वर्ग में जीते। शीर्ष वरीयता प्राप्त कुशल दलाल ने पुरुष व्यक्तिगत फाइनल में 22वीं वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलिया के जोशुआ मैनन को 149-143 से हराकर अपनी प्रतिष्ठा को सही साबित किया। भारत को इस स्पर्धा में कांस्य पदक भी मिला, जिसमें 10वें वरीय सचिन चेची ने चौथे वरीय हिमू बछाड़ को कड़े मुकाबले में 148-146 से हराया।

महिलाओं की स्पर्धा में स्वर्ण पदक सुनिश्चित था क्योंकि इसके फाइनल में मुकाबला जो भारतीय खिलाड़ियों के बीच था जिसमें दूसरी वरीयता प्राप्त तेजल साल्वे ने पहली वरीय शानमुखी नागा साई बुड्डे को 146-144 से हराया। शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष कम्पाउंड टीम को तीसरी वरीयता प्राप्त कजाकिस्तान ने 231-235 से हरा दिया। महिलाओं की कम्पाउंड टीम 232-232 से बराबरी पर रहने के बाद निचली रैंकिंग वाली मलेशिया से शूट-ऑफ में हार गई। शानमुखी और दलाल की मिश्रित कंपाउंड टीम को कजाकिस्तान से शूट-ऑफ में हार का सामना करना पड़ा।

मेस्सी का फ्री किक पर गोल, इंटर मियामी ने दो बार के यूरोपीय चैंपियन को हराया

अटलांटा (अमेरिका) । स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेस्सी ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना पहला गोल फ्री किक पर किया जिससे इंटर मियामी ने दो बार के यूरोपीय चैंपियन पोर्टो पर 2-1 से जीत हासिल की। इंटर मियामी की टीम मध्यांतर तक 1-0 से पीछे थी, लेकिन टेलास्को सेगोविया ने दूसरे हाफ के दो मिनट बाद मार्सेलो वीगन्डट के क्रॉस पर गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद अर्जेंटीना के 37 वर्ष के खिलाड़ी मेस्सी का जादू देखने को मिला। उन्होंने फ्री किक पर खूबसूरत गोल करके फिर से यह साबित कर दिया कि उन्हें दुनिया के सबसे महानतम खिलाड़ियों में क्यों गिना जाता है। इससे पहले पुर्तगाल के क्लब को वीडियो समीक्षा प्रणाली के जरिए शुरू से ही पेनल्टी किक मिली जिसे सामू ओमोरोदियन ने गोल में बदला। इन दोनों टीमों ने ग्रुप ए का अपना पहला मैच गोलरहित बराबर खेला था।

हेडन और स्मिथ बोले, भारतीय टीम के लिए संघर्षपूर्ण रहेगी सीरीज

लीड्स । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ का मानना है कि अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा की कमी भारतीय टीम को खलेगी। इन दोनो का ही मानना है कि नये बल्लेबाजों के लिए इंग्लैंड में तेज गेंदबाजों का सामना करना आसान नहीं रहेगा। हेडन ने कहा, 'मुझे लगता है कि भारतीय टीम को संघर्ष करना पड़ेगा। शुभमन एक युवा कप्तान हैं जिनकी टीम पूरी तरह से विपरीत माहौल में तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल और उछाल वाली पिचों पर खेल रही है। यह एक असल चुनौती होगी। भारतीय टीम के लिए यह दौरा एक प्रकार से बेहद कठिन परीक्षा होगा। वह इसलिए क्योंकि जब भी कोई टीम इंग्लैंड के दौरे पर आती है तो उसके लिए हालात अलग होते हैं।

दिव्या देशमुख का बड़ा खुलासा, बताया वर्ल्ड नंबर वन को हराने के लिए बनाई थी खास रणनीति

मुम्बई । भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख ने कहा है कि उन्हें फिडे वर्ल्ड ब्लिट्ज टीम शतरंज चैंपियनशिप में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी होउ यिफान को हराने के लिए पूरी ताकत लगानी पड़ी और उनकी इस उपलब्धि की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फैंस की। दिव्या देशमुख ने 10 से 16 जून को लंदन में आयोजित फिडे वर्ल्ड ब्लिट्ज टीम चैंपियनशिप के सेमीफाइनल के दूसरे चरण में चीन की यिफान को हराया। दिव्या ने कहा कि, मुझे पता था कि मुझे पूरी ताकत लगानी होगी। अगर वर्ल्ड चैंपियनशिप के खिलाफ खेलने का विचार मेरे दिमाग में आता तो मैं भयभीत हो जाती। इसलिए मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं किसके खिलाफ खेल रही हूं। मैंने अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया और मुझे केवल इतना पता था कि मुझे बाजी जीतनी है। नागपुर की 19वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि पीएम मोदी के शब्द बहुत उत्साह बढ़ाने वाले और प्रेरित करने वाले थे और वह अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तत्पर रहेंगी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि, लंदन में वर्ल्ड टीम ब्लिट्ज चैंपियनशिप के ब्लिट्ज सेमीफाइनल के दूसरे चरण में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी होउ यिफान को हराने पर दिव्या देशमुख को बधाई। उनकी सफलता उनके सयंम और दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। ये कई उभरते शतरंज खिलाड़ियों को भी प्रेरित करती है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

8 साल बाद टेस्ट में वापसी कर रहे करुण नायर ने खोला राज, बताया किस चीज ने रखा प्रेरित

लीड्स (एजेंसी)। भारतीय टीम में वापसी करने वाले करुण नायर शुक्रवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत के साथ मैदान पर उतरकर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब हैं। भारतीय टेस्ट टीम में आठ साल के लम्बे अंतराल के बाद वापसी करते हुए नायर ने खुलासा किया कि देश के लिए फिर से खेलने के उनके दृढ़ निश्चय ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में नायर ने कहा, 'जब मैं उठा तो मेरा पहला विचार यह था कि मैं टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता हूं, मैं फिर से भारत के लिए खेलना चाहता हूं। शायद यही बात मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रही और मेरी भूख बनी रही, हर दिन प्रशिक्षण के लिए जाने और हर दिन अभ्यास करने की प्रेरणा शक्ति। उस विश्वास को कभी नहीं खोना और उस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए तत्पर रहना कुछ ऐसा था

जिसने मेरी मदद की। इस जर्सी को पहनकर और अपने देश का प्रतिनिधित्व करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उस विश्वास को कभी न खोना और उस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए दृढ़ संकल्प होना कुछ ऐसा था जिसने मेरी मदद की। इस जर्सी को पहनकर और अपने देश का प्रतिनिधित्व करके गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।'

उन्होंने कहा, 'जब मैंने पहली बार सभी को देखा, तब मुझे वास्तव में लगा कि मैं आखिरकार टीम में हूं। तब तक यह मेरे लिए प्रतीक्षा करने जैसा था कि मैं फिर से ऐसा महसूस करूं कि मैंने इसे हासिल कर लिया है। कुछ साल हो गए हैं, मैं हमेशा सभी को टीवी पर देखता था, अब फिर से इस ड्रेसिंग रूम में वापस आना अद्भुत लगता है। आप जानते हैं, उस पहले सत्र को हासिल करना राहत की बात थी, वह अवसर पाकर आभारी हूं।'

33 वर्षीय खिलाड़ी पहले से ही लय में है और इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो अनौपचारिक टेस्ट के दौरान भारत ए की ओर से बेहतरीन बल्लेबाजी की थी। उन्होंने कैंटरबरी में पहले मैच में दोहरा शतक लगाया। नायर ने कहा, 'जीवन एक पूर्ण चक्र में आ गया है। मैं इंग्लैंड में टीम से बाहर हो गया था और अब मैं इंग्लैंड में टीम में वापस आ रहा हूं, इसलिए काफी समय हो गया है और मैं इसे अपनाने की कोशिश कर रहा हूं।'

नायर ने केएल राहुल और प्रसिद्ध कृष्णा के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने को लेकर भी अपनी खुशी व्यक्त की, उन्होंने कहा कि तीनों बचपन से एक साथ खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इसे बहुत सरल रखने की कोशिश करता हूं, हमेशा सकारात्मक के बारे में सोचता हूं, कुछ लक्ष्य दिमाग में रखता हूं, चीजों की कल्पना करता हूं और जो आप कल्पना करते हैं उस पर वास्तविक विश्वास रखता हूं। राहुल और प्रसिद्ध के साथ खेलना भी बहुत सुकून देने वाला कारक है। हमने इतने सालों से क्रिकेट खेला है जब शायद हम छोटे बच्चे थे और साथ-साथ बड़े हुए थे।'

नायर ने शानदार घरेलू सीजन के दम पर वापसी की है, उन्होंने रणजी ट्रॉफी जीतने वाले अभियान में विदर्भ के लिए 53.93 की औसत से 863 रन बनाए हैं। इससे पहले उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में सिर्फ 8 पारियों में पांच शतक लगाए जिसमें उनका औसत 389.50 था।

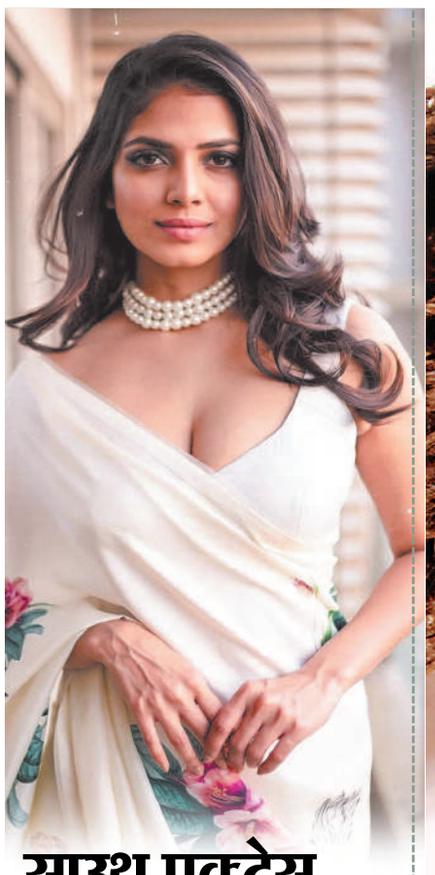

साउथ एक्ट्रेस मालविका ने मुंबई को बताया असुरक्षित

साउथ एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने कुछ समय पहले ही मुंबई में महिला सुरक्षा पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि कॉलेज के दिनों में वो लोकल से सफर करती थीं, तब सुरक्षा महज किस्मत की बात हुआ करती थी। मालविका का बयान सामने आने के बाद मुंबई पुलिस ने इस खेद व्यक्त करते हुए पर प्रतिक्रिया दी है। मालविका ने कुछ समय पहले ही हॉटरफ्लाई को दिए इंटरव्यू में कहा था, आज मेरे पास कार और ड्राइवर है, ऐसे में अगर कोई मुझसे पूछे कि क्या मुंबई सेफ है, तो मैं शायद हां कहूं, लेकिन जब मैं कॉलेज में थी, तब मेरा मानना बिल्कुल अलग था। मैं लोकल ट्रेन और पब्लिक बस में सफर करती थी। उस समय मुझे ये सुरक्षित नहीं लगता था। ये बस किस्मत की बात हुआ करती थी। आपको बस उम्मीद करनी पड़ती थी कि आपका सफर बिना किसी घटना के कट जाए।

मालविका का बयान आने के बाद मुंबई पुलिस ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से इसका जवाब दिया है। पोस्ट में लिखा गया है, मिस मालविका, हमारे सामने वो ऑनलाइन पोर्टल आया है, जहां आपने अपना अनुभव शेयर कर, शहर में महिला सुरक्षा पर चिंता जाहिर की। हम सोच सकते हैं कि इस तरह के एक्सपीरियंस चौंकाने वाले होते हैं और लंबा असर छोड़ते हैं। इसलिए हमें ये दोहराना चाहिए कि दिन का कोई भी समय हो या शहर में कोई भी जगह हो, प्लीज 112/100 पर हमसे संपर्क करें और हम जल्द से जल्द सहायता देंगे। रिपोर्ट न करने से अपराधी का हौसला बढ़ता है। आगे लिखा है, मुंबई शहर हमेशा से महिलाओं के लिए सुरक्षित रहा है और हम इसे बेहतर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। रिपोर्ट किए जाने के बाद अपराधी से उचित और कानूनी तरीके से निपटा जाएगा। कृपया इस बात को लोगों तक पहुंचाने के लिए अपनी अच्छी छवि का उपयोग करें। ये इस तरह के मामलों को हल करने में मदद कर सकता है, जो असामान्य हैं और जिन्हें सामान्यीकृत नहीं किया जा सकता है। बताते चलें कि मालविका मोहनन साउथ सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस हैं। वो मास्टर, युद्रा जैसी बेहतरीन फिल्मों का हिस्सा रही हैं। जल्द ही वो प्रभास के साथ फिल्म द राजा साहब में नजर आएंगी।

मैं खुद को एक ग्लोबल एंटरटेनर के रूप में स्थापित करना चाहती हूं

उर्वशी रौतेला बॉलीवुड के साथ-साथ साउथ में भी एक्टिव हैं। उनकी पिछली फिल्म डाकू महाराज इस साल की तीसरी हाइएस्ट ग्रॉसिंग तेलुगु फिल्म है। वहीं वह कान्स में भी अपने स्टाइल से सुर्खियों में रहीं।

डाकू महाराज इतनी सफल रही। इस फिल्म के बारे में आप क्या सोचती हैं?

डाकू महाराज की सफलता से बहुत खुश हूं। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसमें एक्शन, इमोशन और एक शानदार कहानी का बेहतरीन मेल है। यह परोपकार, विश्वासघात और पश्चाताप जैसे मजबूत एहसासों से भरी हुई है। इसकी कहानी 1996 के दौर की है। इसमें नंदामुरी बालकृष्ण सर ने ऐसा रोल निभाया है जो गरीबों के लिए लड़ता है।

इस साल कान्स में आपके स्टाइल ने खूब चर्चा पाई। क्या कहेंगी?

कान्स फेस्टिवल में मैंने बोल्ड और आर्टिस्टिक लुक अपनाया था लेकिन साथ ही अपनी संस्कृति और जड़ों से भी जुड़ी रही। 2024 में मैंने खालिद और मारवान सेरीन के कलेक्शन से एक शानदार गाउन पहना था, जो रॉयल्टी और इनोवेशन का कॉम्बिनेशन था। इस साल में स्कारलेट पैरोट क्लच लुक में दिखी। अब मैंने ये सीख लिया है कि ग्लोबल ट्रेंड्स को अपनी पर्सनालिटी के साथ कैसे बैलेंस किया जाए। हर लुक सिर्फ फैशन नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, भारतीयता और पहचान की एक कहानी कहता है।

एक्टिंग के अलावा कोई अन्य क्रिएटिव काम है, जिसे आप एक्सप्लोर करना चाहती हैं?

एक्टिंग के अलावा मुझे म्यूजिक और फैशन का भी बहुत शौक है। ये दोनों चीजें मेरी क्रिएटिविटी को जाहिर करने के खास तरीके हैं। मैं जल्द ही जेसन डेरुलो के साथ अपने पहले इंटरनेशनल म्यूजिक वीडियो में नजर आऊंगी और इसे लेकर में बेहद उत्साहित हूं। इसके साथ ही, मैं अब प्रोडक्शन में भी कदम रख रही हूं ताकि ऐसी कहानियां बना सकूं जो मेरे दिल के करीब हों। फैशन की बात करें तो मैं अपनी खुद की एक लाइन शुरू करना चाहती हूं जो मेरे स्टाइल को दिखाए। कुछ ऐसा जो भारतीय पारंपरिक कारीगरी को मॉर्डन लुक के साथ कनेक्ट करें।

आने वाले वर्षों के लिए आपके करियर के टारगेट क्या हैं?

मैं खुद को एक ग्लोबल एंटरटेनर के रूप में स्थापित करना चाहती हूं, जो अलग-अलग मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व करे। मेरा सपना है कि मैं उन कहानियों का हिस्सा बनूं जो न सिर्फ मनोरंजन करें, बल्कि समाज को कुछ सोचने पर भी मजबूर करें। बुमन सेंट्रिक कहानियां मुझे खास तौर घर आकर्षित करती हैं, क्योंकि ये नारी शक्ति और आत्मनिर्भरता की झलक देती हैं। भविष्य में में ऐसी कहानियों करना ही नहीं, बल्कि निर्देशन में भी हाथ आजमाना चाहती है। चाहे वह कान्स के रेड कार्पेट पर चलना हो या ऐसे रोल निभाना हो जो अब तक किसी ने न किया हो, मैं हर चुनौती को एक नए मौके की तरह लेना चाहती हूं और अपनी लिमिट्स को क्रॉस करते रहना चाहती हूं।

शिफ्ट टाइम पर बोलीं जेनेलिया, कहा- मुश्किल है, असंभव नहीं

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने जब से फिल्म स्पिरिट छोड़ी है, इंडस्ट्री में शिफ्ट टाइमिंग और वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर चर्चा छिड़ गई है। दरअसल, दीपिका ने निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा से आठ घंटे की शिफ्ट करने की शर्त रखी थी। इस पर सहमति नहीं बनने पर दीपिका ने फिल्म छोड़ दी। इसके बाद कई सितारे दीपिका के बचाव में आ चुके हैं। वहीं, हाल ही में अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा से जब वर्क-लाइफ बैलेंस से जुड़ा सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि वे हर दिन 10 घंटे काम करती हैं। जेनेलिया डिसूजा फिल्म सितारे जमीन पर फिल्म में नजर आएंगी, जो इसी महीने रिलीज होगी। हाल ही में बातचीत में जेनेलिया डिसूजा ने बताया कि वे अपनी निजी जिंदगी को कैसे मैनेज करती हैं? अभिनेत्री ने कहा कि डायरेक्टर जब काम के घंटे बढ़ा देते हैं तो वे एडजस्टमेंट कर लेती हैं। जेनेलिया ने कहा, यह मुश्किल है लेकिन असंभव नहीं है। मैं दिन में 10 घंटे काम करती हूं और ऐसे दिन भी आते हैं जब डायरेक्टर इसे बढ़ाकर 11 या 12 घंटे करने के लिए कहते हैं।

जेनेलिया डिसूजा ने आगे कहा, मुझे लगता है कि यह ठीक है, लेकिन हमें उन एडजस्टमेंट को करने के लिए समय चाहिए। जब आपके पास एक या दो दिन होते हैं, जब आपको ज्यादा काम करना पड़ता है। यह एक आपसी समझ और प्रोसेस भी है, जिसकी जरूरत है।

बेपरवाई के जरिए लोगों को मेरा मैसेज, दुनिया के लिए खुद को मत बदलो

प्लेबैक सिंगर जोनिता गांधी ने अपना नया गाना बेपरवाई रिलीज किया है। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए इस गाने के बारे में विस्तार से बताया। सिंगर ने बताया कि यह गाना उस एहसास को दिखाता है जब इंसान बेफिक्र हो जाता है, उसे इसकी परवाह बिल्कुल भी नहीं होती कि दुनिया उसके बारे में क्या सोचती है। जोनिता गांधी ने आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि उनका गाना बेपरवाई कैसे बना। उन्होंने कहा, इस गाने का विचार टोरंटो में एक म्यूजिक सेशन के दौरान आया था। उस दिन मेरा मूड कुछ ऐसा था, मैं दुनिया को लेकर थोड़ी निराशा और चिढ़ सी महसूस कर रही थी। मुझे लग रहा था कि हम कई बार दूसरों की राय में उलझ जाते हैं, और खुद को भूल जाते हैं। फिर मेरे मन में ख्याल आया कि अब और नहीं, अब बेफिक्र होकर जीना है, बिना इस डर के कि लोग क्या कहेंगे। इसी सोच से गाने का कोरस बना, जो कहता है, अब मैं बस बेपरवाह हूं, मैं यह सुनिश्चित करना चाहती थी कि यह गाना मेरी पहचान से जुड़ा हो, ताकि सुनने वालों को लगे कि हां, ये एक जोनिता गांधी का गाना है। जोनिता गांधी ने आगे कहा, इस गाने को मैंने अपने अंदाज में गाया और पेश किया है। इसमें मैंने अपनी पहचान और गाने की खास स्टाइल को बनाए रखा, ताकि यह गाना भी बाकी उनके गानों की तरह ही लगे। गाने में भी मैंने सॉफ्ट टोन का इस्तेमाल किया, जैसे मैं हर गाने में करती हूं। इस गाने को बनाने में मेरे साथ म्यूजिक प्रोड्यूसर एरिजा ने काम किया। मैंने पहले भी उनके साथ कई बार काम किया है। उन्होंने गाने के म्यूजिक को इस तरह तैयार किया, जो हर एक शब्द के फील को बढ़ाता है।

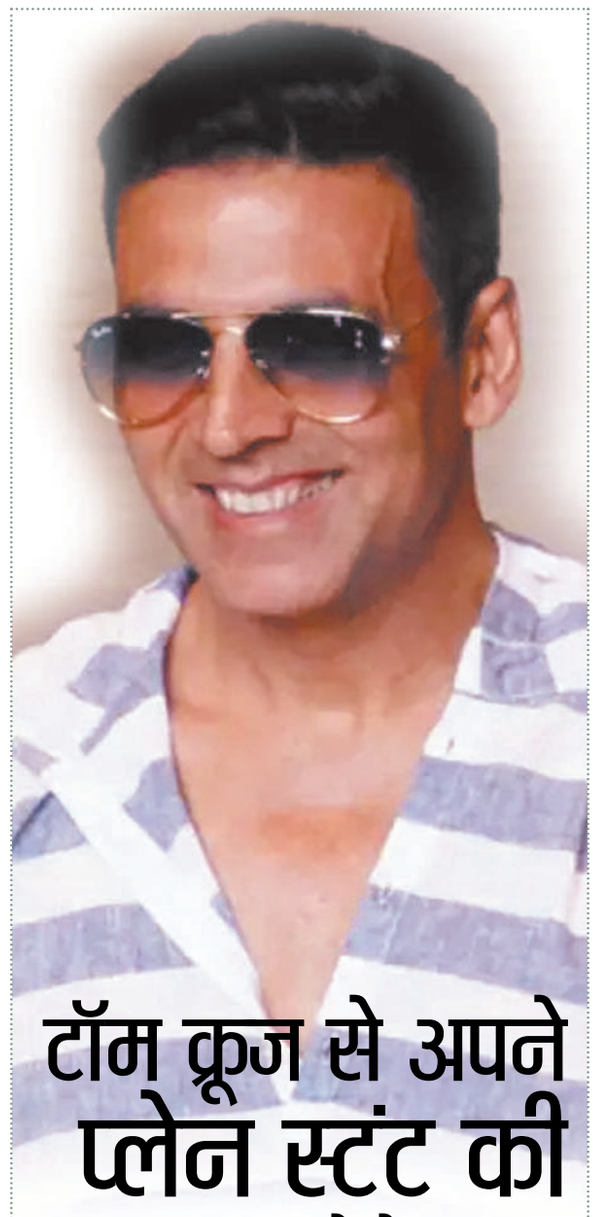

टॉम क्रूज से अपने प्लेन स्टंट की तुलना पर बोले अक्षय

बॉलीवुड में 'खिलाड़ी' और एक्शन किंग के नाम से जाने जाने वाले अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चाओं में हैं। हाल ही में खिलाड़ी कुमार की फिल्म हाउसफुल 5 रिलीज हुई है और अब उनकी एक और फिल्म 'कनप्पा' इन दिनों रिलीज से पहले चर्चाओं में है। इसी बीच अक्षय की एक फिल्म के सीन की तुलना हॉलीवुड एक्टर टॉम क्रूज से हो रही है, जिसपर अब उनका रिएक्शन आ गया है। अक्षय ने इस पर कटाक्ष भरे अंदाज में इसका जवाब दिया है।

अक्षय ने टॉम से तुलना पर दिया जवाब

हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें अक्षय कुमार के 2000 में रिलीज हुई फिल्म 'खिलाड़ी 420' का एक विमान पर स्टंट दिखाया गया है, वहीं एक क्लिप में टॉम क्रूज का 'मिशन- इंपॉसिबल' फिल्म से विमान पर स्टंट दिखाया गया है। इस तुलना पर अक्षय ने अपना रिएक्शन दिया है जो फैंस के लिए मजेदार और चौंकाने वाला है।

अक्षय कुमार ने बताया कि उनके एक्शन स्टंट्स की प्रेरणा टॉम क्रूज से नहीं बल्कि बचपन के पसंदीदा कार्टून 'टॉम और जेरी' से मिलती है। उन्होंने कहा, 'मैं जहां से प्रेरणा लेता हूं, वो आप विश्वास नहीं करेंगे टॉम और जेरी से। मुझे ये कार्टून बहुत पसंद है। ये बच्चों के लिए है लेकिन इसमें बहुत जोरदार और हिंसक एक्शन होता है। मुझे याद है टॉम हेलीकॉप्टर से झूलते हुए जेरी को पकड़ता है, जिसे मैंने 'सबसे बड़ा खिलाड़ी' में अपनाया और 'खिलाड़ी 420' में वो विमान पर टॉम का स्टंट मैंने इसी से लिया।'

'टॉम एंड जेरी' का अक्षय ने किया जिक्र

अक्षय ने कार्टून 'टॉम एंड जेरी' की हिंसक प्रकृति पर भी रोशनी डाली। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'ये कार्टून बहुत हिंसक है। बच्चों को ये फिल्म दिखाना थोड़ा अजीब है क्योंकि इसमें बहुत सारा हिंसक कंटेंट है।' अक्षय कुमार ने अपनी बात को मजाकिया अंदाज में कहा।

अक्षय कुमार का वर्कफ्रंट

फिल्मों की बात करें तो अक्षय कुमार का साल 2025 शानदार रहा है। इस साल उनके तीन बड़े प्रोजेक्ट्स 'स्काई फोर्स,' 'केसरी चैप्टर 2,' और 'हाउसफुल 5' रिलीज हो चुके हैं। इसके बाद उन्हें तेलुगु फिल्म 'कन्नप्पा' में भगवान शिव की भूमिका में देखा जाएगा। इसके अलावा अक्षय जल्द ही 'जॉली एलएलबी 3' में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ अर्शद वारसी भी हैं। साथ ही, प्रियदर्शन की 'हेरा फेरी 3' में अक्षय अपने प्रिय किरदार राजू की भूमिका दोबारा निभाएंगे, जिससे फैंस के बीच उत्साह का माहौल है।

अरमान -अमाल मलिक के रिश्तों में आई दूरी मिटी, अब फिर साथ गूंजे सुर

कुछ महीने पहले तक मलिक परिवार से जुड़ी मतभेद की खबरों ने सबको चौंका दिया था। म्यूजिक डायरेक्टर अमाल मलिक ने सोशल मीडिया पर अपने माता-पिता और भाई अरमान मलिक से दूर होने की बात कही थी। कई लोग यही सोचने लगे कि अब शायद ये साथ नहीं दिखेंगे। लेकिन अब वही दोनों भाई एक साथ लौट आए हैं। हाल ही में अरमान मलिक ने अपने भाई अमाल के साथ मिलकर एक सिंगल 'बारी बारी' रिलीज किया है। गाना गाया है अरमान ने वहीं इसे कंपोज किया है अमाल ने। अमर उजाला डिजिटल से बातचीत के दौरान अरमान ने इस गाने और भाई के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की।

अमाल के सोशल मीडिया पोस्ट के बाद अब जब आप दोनों साथ आए हैं, तो कैसा रहा ये सफर? क्या ये दूरी आपको और करीब ले आई?

हां, ये सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन मैं कह सकता हूं कि हम दोनों अब पहले से भी ज्यादा क्लोज हो गए हैं। उस पूरे फेज के दौरान बहुत सारी बातें हुई, जो शायद पहले कभी नहीं हुई थीं।हमने दिल से एक-दूसरे को समझा, जो भी मिसअंडरस्टैंडिंग्स थीं उन्हें क्लियर किया। हमारी बॉन्डिंग अब और सॉलिड हो गई है। मैं कह सकता हूं कि इससे पहले इतना गहरा रिश्ता नहीं था।

क्या आपको कभी लगा कि म्यूजिक तो बस एक जरिया है, असली रिश्ता उससे कहीं गहरा है?

बिलकुल! म्यूजिक हमें जोड़ता है, लेकिन हमारा रिश्ता उससे कहीं गहरा है। बचपन से एक-दूसरे के सुरों में पले-बढ़े हैं। मम्मी-पापा ने ऐसा माहौल बनाया जहां दिल की बात खुलकर हो सके। अमाल सिर्फ भाई नहीं हैज वो मेरे लिए एक गुरु जैसा है। जब भी मुझे किसी चीज पर राय चाहिए होती है, सबसे पहले उसी के पास जाता हूं। और ये बात मैं सच में बहुत रिस्पेक्ट करता हूं। क्योंकि हर किसी को ऐसा रिश्ता नहीं मिलता।

अमाल के साथ फिर से काम करना... ये सफर कैसा रहा आप दोनों भाइयों के लिए?

ये गाना हमने लगभग एक साल पहले बनाया था, जून के महीने में। इसकी जर्नी काफी उतार-चढ़ाव भरी रही। कई बार लगा कि अब इसे रिलीज करते हैं, फिर कभी नहीं कर पाए। फाइनली हमें एक सही विंडो मिली। मैंने सोचा इसे एक स्पेशल मौके पर निकालना चाहिए। अमाल का बर्थडे 16 जून को होता है और हमने 18 जून को इसे रिलीज किया। बहुत वक्त बाद हमारा कोई सिंगल आ रहा है। मैं बहुत खुश हूं क्योंकि इस गाने का वाइब बहुत अलग है... बहुत फन है, कैजुअल है। हमारे बाकी गाने ज्यादातर रोमांटिक और इमोशनल रहे हैं, लेकिन 'बारी बारी' एकदम मस्तीभरा है।

एक ऐसा लम्हा जो हमेशा याद रहेगा इस गाने से जुड़ा?

शायद पहली बार ऐसा हुआ कि जिस रफ वॉइस टेक को सिर्फ डेमो के लिए गाया था, वही फाइनल में रखा गया। स्पीकर ऑन था, एक ही टेक में गा दियाज और जो फील उस वक्त थी, वो दोबारा नहीं आ सकी। जितनी बार ट्राय किया, वो इमोशन वापस नहीं आया। इसलिए सोचा - यही टेक रख देते हैं।

भाई होने के नाते अमाल का आपकी लाइफ में क्या रोल रहा है?

अमाल मेरे लिए सिर्फ़ एक भाई नहीं, एक गाइड, एक दोस्त, एक सपोर्ट सिस्टम है। हम दोनों का रिश्ता ऐसा है कि अगर वो कुछ शुरू करता है, तो मैं उसे पूरा करता हूं ज्और उल्टा भी। हम एक-दूसरे को कॉम्प्लीमेंट करते हैं। मैं हमेशा कहता हूं - चाहे कुछ भी हो जाए, भाई ही है जो आपको वापस खींच लाता है। आज हम साथ हैं, मजबूत हैं, और आगे भी ऐसे गाने बनाएंगे जो सिर्फ हिट नहीं, दिल से निकले हुए हों।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।